ज्ञानामृत

धर्म करते हुए मर जाना अच्छा है पर पाप करते हुए विजय प्राप्त करना अच्छा नहीं।

▸▸ महाभारत

राष्ट्र को समर्पित

विजय मत

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | शहडोल, सोमवार, 30 जून 2025 | वर्ष- 08 | अंक- 186 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

जल संरक्षण का जन आंदोलन बना जल गंगा संवर्धन अभियान

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मप्र

"क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा, पंचतत्व से बना शरीरा"

रामचरित मानस की इस चौपाई के पंचतत्वों में से एक जल, जीवन का आधार है। हमें जीवन के अस्तित्व के लिये जल को संरक्षित करना ही होगा। इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाना जरूरी है। ऋग्वेद की ऋचाओं में जल के महत्व, विशेषताओं और संरक्षण का संकेत है। रामायण और महाभारत में प्रकृति के संरक्षण का उल्लेख है। जल संरक्षण हमारी पुरातन संस्कृति है। यह अपनी परंपरा और संस्कारों की ऐतिहासिक विरासत है, जिसे हमें अगली पीढ़ी तक पहुंचाना है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की विरासत से विकास की दृष्टि समग्र कल्याण के लिए है, जो प्रकृति संवर्धन से लेकर विकास के हर पक्ष में समाहित है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने लंबे समय तक जल संरक्षण का अभियान चलाया था उन्हीं से प्रेरणा लेकर मध्यप्रदेश में हमने जल गंगा संवर्धन अभियान की संकल्पना की। इस अभियान का शुभारंभ 30 मार्च गुड़ी पड़वा, नववर्ष विक्रम संवत अवसर पर महाकाल की नगरी उज्जयिनी के शिप्रा तट से किया गया। यह अभियान जल संरक्षण, जल स्रोतों के पुनर्जीवन और जन-जागरुकता को समर्पित रहा है। जल संग्रह के कई कीर्तिमान रचने के साथ आज हम जल संरक्षण की समृद्धि का उत्सव मना रहे हैं।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि इस 90 दिन तक चले अभियान में पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर जल-संरचनाओं पर काम हुआ है। अभियान में खंडवा जिले ने 1.29 लाख संरचनाओं का निर्माण किया है। इस विशेष उपलब्धि के लिए खंडवा को भू-गर्भ जल भंडारण की दृष्टि से प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जल सुरक्षा और प्रभावी जल प्रबंधन के लिए कैच द रेन अभियान शुरू किया। इसी से प्रेरणा से लेकर मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वर्षा की एक-एक बूंद को सहेजने का प्रयास किया गया। प्रदेश में पहली बार वर्षा जल को सहेजने का बड़े स्तर पर अभियान चला इससे भविष्य में भू-जल की निर्भरता कम होगी और पानी की हर बूंद का उपयोग होगा।

हमने प्रधानमंत्री जी के मिशन लाइफ मंत्र को आत्मसात किया और अपनी जीवन शैली में बदलाव कर पर्यावरण रक्षा का सूत्र हाथ में लिया है। इससे जन-जन में पर्यावरण मित्र के रूप में जीवन जीने की परंपरा निर्मित हुई है। प्रदेशवासी मिशन लाइफ के अनुसार प्रकृति के साथ प्रगति पथ पर आगे बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में पहली बार री-यूज वाटर पोर्टल निर्मित किया जा रहा है। यह पहल प्रदेश में जल संरक्षण और पुनः उपयोग की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस तरह प्रदेश जल प्रबंधन के लिए तीन सिद्धांत री-यूज, रीड्यूज और री-साइकल पर आधारित रणनीति बनाकर काम कर रहा है।

यह हमारा सौभाग्य है कि मध्यप्रदेश की धरती प्रकृति की विपुल सम्पदा से समृद्ध है। यह मां नर्मदा, शिप्रा मईया, ताप्ती और बेतवा सहित लगभग 267 नदियों का मायका है। प्रदेश में पहली बार नदियों को निर्मल और अविरल बनाने के लिए 145 से अधिक नदियों के उद्गम को चिन्हित किया गया और साफ-सफाई के साथ पौधरोपण की शुरुआत हुई है। नदियों के तट पर पौधरोपण की यह पहलनदियों को उनके मायके में हरि चुनरी ओढ़ाने का प्रयास है।

प्रदेश में पहली बार जल सरंक्षण के साथ जल समृद्धि की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण की पहल की गई। इसके तहत राजाभोज ने बसाये भोपाल की ऐतिहासिक धरोहर बड़े बाग की बावड़ी को सहेजने और पुनर्जीवित करने का कार्य किया गया। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि इस अभियान के अंतर्गत हमने 200 वर्ष पहले लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर द्वारा बनाई गई होलकर कालीन बावडी को जीर्णोद्धार उपरांत नया स्वरूप प्रदान किया है। इस बावड़ी का लोकर्पण करते हुए मुझे यह महसूस हुआ कि हम माता अहिल्या के लोक कल्याण के युग में पहुंच गये हैं। बावड़ियां हमारे पूर्वजों की अमूल्य धरोहर हैं, इसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिये प्रदेश भर में दो हजार से अधिक बावड़ियों को पुनर्जीवित करते हुए बावड़ी उत्सव मनाया गया।

प्रधानमंत्री जी ने हमारी युवा शक्ति को जल सैनिक बनाने का आह्वान किया था। इस अभियान में, मध्यप्रदेश में पहली बार 2 लाख 30 हजार जल दूत बनाये गये। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पानी बचाने के लिए यह अमृत मित्र भविष्य में जल सुरक्षा के अग्रदूत बनेंगे। प्रदेश में पहली बार डेढ़ लाख से अधिक कृषकों ने सभी विकासखंडों में 812 पानी चौपाल का आयोजन किया। इसमें किसानों ने अपने गांव के खेतों, जल स्रोतों के संरक्षण, संवर्धन और पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार पर विचार-विमर्श किया।

प्रदेश में पहली बार खेत का पानी खेत में, गांव का पानी गांव में रोकने के लिए खेत तालाबों का चयन सिपरी सॉफ्टवेयर से किया गया। अभियान में 83 हजार से अधिक बनने वाले खेत-तालाबों से प्रदेश के अन्नदाता में नई उम्मीद जागी है। अब वे अपने खेत में एक नहीं कई फसलें ले सकते हैं। खेत तालाब के अलावा अमृत सरोवर और डगवेल रिचार्ज बनाने में भी सिपरी सॉफ्टवेयर, एआई और प्लानर सॉफ्टवेयर जैसी तकनीक का उपयोग किया गया है। इस तकनीक से निर्धारित लक्ष्य को समय रहते प्राप्त करने में आसानी हुई है और गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। इसके लिए नियमित जानकारी प्राप्त करने के लिए डेशबोर्ड डाटा को एआई के माध्यम के उपयोग से अभियान की प्रगति में सुधार और गति दी गई।

इस अभियान में प्रदेश के नगर-नगर और गांव-गांव में जल स्रोतों को शुद्ध और उपयोगी बनाने का कार्य चला, अनेक पोखर और बावड़ियों को पुनर्जीवन प्राप्त हुआ। यह सरकार और समाज का संयुक्त प्रयास है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पानी की बूंद-बूंद सहेजने का जो प्रयत्न किया गया है वह हमारे किसान भाइयों के लिए पारस पत्थर का काम करेगा। सूखे खेत हरे-भरे होंगे, सुनहरी फसलें लहलहायेंगी। हमारा किसान समृद्ध होगा और मध्यप्रदेश की धरती समृद्ध होगी।

वर्षा के जल को संग्रहित करने और पुराने जल स्रोतों के जीर्णोद्धार के लिए चलाए गए अभियान की सफलता का सबसे बड़ा आधार रहा जनभागीदारी। सरकार, शासन-प्रशासन, समाजसेवी और प्रदेश के आमजन ने इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई है। जल गंगा संवर्धन अभियान के बाद अब पौधरोपण का व्यापक अभियान चलाया जायेगा।

मुझे खुशी है कि जल गंगा संवर्धन अभियान शासन के साथ जनता के लिए, जनता का अभियान बन गया है। इस अभियान ने जनआंदोलन का स्वरूप ले लिया है। प्रदेश ने यह प्रमाणित किया है कि यदि सरकार और जनता मिलकर कार्य करेंतो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। किसान, महिला, युवा और विद्यार्थियों ने जल संरक्षण को जीवन का मंत्र बना लिया है। इससे समाज में जल संरक्षण का भाव और भागीदारी का मानस विकसित हुआ है। इस अभियान ने हम सभी के मन को एक नये संकल्प और ऊर्जा से भर दिया है। यह अभियान केवल जल संरक्षण का कार्य नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और भविष्य की सुरक्षा का वह सूत्र है, जिससे प्रदेश की समृद्धि जुड़ी है।

अद्भिः सर्वाणि भूतानि जीवन्ति प्रभवन्ति च।

महाभारत के शांति पर्व का यह श्लोक जल के महत्व और जीवन में इसकी भूमिका को दर्शाता है। मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता से पानी की बूंद-बूंद बचाने और जल समृद्ध राज्य बनाने का आह्वान करता हूं।

आईये, हम सब मिलकर पानी की हर बूंद बचाने का संकल्प लें, जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य को आगे बढ़ायें। मुझे उम्मीद है कि जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश में जल की प्रचुर उपलब्धता और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर साबित होगी।

न्यूज इन शॉर्ट

जनगणना: पहले चरण का आगाज अप्रैल 2026 से

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार ने आगामी जनगणना 2026 के पहले चरण की तारीख तय कर दी है। रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र लिखकर बताया कि हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन और हाउसिंग जनगणना 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगी। दो चरणों में जनगणना होगी। पहले चरण में मकान सूचीकरण काम जिसे हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन (एचएलओ) भी कहा जाता है। इसमें हर घर की स्थिति, सुविधाएं और संसाधनों की जानकारी ली जाती है। वहीं दूसरे चरण में जनसंख्या गणना का है, यह चरण 1 फरवरी 2027 से शुरू होगा। इसमें हर व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक जानकारी ली जाएगी।

पुरी रथयात्रा के दौरान भगदड़ में 3 की मौत, 100 से ज्यादा घायल

पुरी, एजेंसी। ओडिशा के पुरी में चल रही जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान रविवार अल सुबह गुंडिचा मंदिर के करीब भगदड़ मच गई। इसमें तीन लोगों की मौत और 100 से ज्यादा लोग घायल होने की जानकारी सामने आई। मरने वालों में दो महिलाएं हैं। हादसा सुबह 4:30 बजे हुए जब भगवान के रथ को खींचा जा रहा था। इस दौरान वहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु जमा हो गए। रथ तक पहुंचने में कुछ श्रद्धालु नीचे गिर गए और भगदड़ मच गई। इस दौरान तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक श्रद्धालुओं की भीड़ ज्यादा होने के कारण पुलिस भी उन्हें कंट्रोल नहीं कर पाई। हादसे में घायल कुछ लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

ईरान-इजराइल युद्ध से भारत में ड्राईफ्रूट व सेंधा नमक हुआ महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-इजराइल युद्ध का असर अब भारत के थोक बाजारों पर दिख रहा है। सेंधा नमक और ड्राई फरूट्स की कीमतों में जबरदस्त उछाल देखा जा रहा है। बीते 15 दिनों में इन उत्पादों के दाम 20 से 25 फीसदी तक बढ़ गए हैं। थोक व्यापारियों के मुताबिक सेंधा नमक और ड्राई फ्रूट्स मुख्य रूप से ईरान, इराक और खाड़ी देशों से भारत में आयात होता है। ईरान-इजराइल युद्ध और क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण इन देशों से माल की आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिससे बाजार में उपलब्धता घट गई और कीमतें बढ़ गईं हैं। व्यापारियों की मानें तो काजू, बादाम, पिस्ता, खजूर, केसर जैसे उत्पादों की कीमतों में उछाल आया है। वहीं, सेंधा नमक भी महंगा हो गया है।

सूरत में इन्टरैक्टिव सेशन: 15,710 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव, 11 हजार से अधिक रोजगार का सृजन

अहमदाबाद में स्थापित होगा मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम : सीएम मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने तथा प्रदेश में निवेश प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम का एक कार्यालय अहमदाबाद में आरंभ किया जाएगा। मध्यप्रदेश में निवेश आकर्षित करने की पहल सूरत में रंग लाई जहां निवेशकों से 15,710 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव हुए हैं। इन प्रस्तावों के फलीभूत होने पर 11,250 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। औद्योगिक तथा व्यापार गतिविधियों को विस्तार देने के लिए प्रक्रियाओं में सरलता, सुगमता, निष्पक्षता, पारदर्शिता और समय सीमा का पालन महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार इन सभी बिंदुओं के साथ प्रदेश में पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाते हुए प्रदेश भारी उद्योग, एमएसएमई सहित लघु और कुटीर उद्योगों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सूरत ऐतिहासिक रूप से देश- दुनिया में उद्योग और व्यापार का प्रमुख केंद्र रहा है। प्रदेश में निवेश और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के उद्देश्य से औद्योगिक समूहों से जुड़ाव बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा यह इन्टरैक्टिव सेशन आयोजित किया गया है।

भोपाल की सड़कों पर दिन में नागरिक रात में मिलती है टाइगर की उपस्थिति

सीएम ने कहा- हमारी कृषि विकास दर 39% है। यह दर्शाता है कि हम आत्मनिर्भर भारत की ओर तेजी से अग्रसर हैं। पर्यटन की दृष्टि से भी हमारा राज्य अनूठा है। यहां की जैव विविधता, धार्मिक स्थलों और सांस्कृतिक विरासत को देखकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाता है। चीता परियोजना हो या बाघ संरक्षण, मध्यप्रदेश आज वन्य जीवन के क्षेत्र में भी अग्रणी है। भोपाल की सड़कों पर जहां दिन में नागरिक चलते हैं, रात में टाइगर की उपस्थिति तक दर्ज की गई है, यह हमारी जैविक समृद्धि का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों से की वन-टू-वन चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से विभिन्न उद्योग घरानों के उद्योगपतियों ने भी वन-टू-वन चर्चा कर मध्यप्रदेश के विभिन्न हिस्सों में निवेश करने और उद्योग स्थापित करने की इच्छा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने निवेशकों का मध्यप्रदेश में उद्योग लगाने के लिए स्वागत किया और कहा कि सरकार उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। सूरत में आयोजित संवाद सत्र में उद्योग जगत के 400 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जेम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी), साउथ गुजरात चैम्बर ऑफ कॉमर्स और मेटाक्सिल के सदस्यों ने स्मृति चिन्ह भेंट किया।

शानदार ईको-सिटम और निवेश फ्रेंडली वातावरण युक्त आदर्श स्थल है मप्र

औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव राघवेन्द्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश में निवेश संवर्धन के लिए देश विदेश में कई कार्यर्‍ म किये गए है और अभी तक लगभग 1 लाख किलोमीटर की यात्रा की गई है। देश के केंद्र में मध्यप्रदेश स्थित सबसे खूबसूरत और संभावनाओं से परिपूर्ण राज्य है, जो हर प्रकार के उद्योग के लिए उपयुक्त ईको-सिस्टम उपलब्ध कराता है। राज्य में 1 लाख एकड़ से अधिक लैंड बैंक, 340 से अधिक इंडस्ट्रियल पार्क और हर सेक्टर के लिए विशेषीकृत क्लस्टर विकसित किए गए हैं ङ्क जिनमें आईटी पार्क, फूड प्रोसेसिंग, गारमेंट्स, प्लास्टिक, टेक्सटाइल और फार्मा पार्क शामिल हैं। यहाँ की इंडस्ट्रियल पॉलिसी और लॉजिस्टिक नेटवर्क देश में सर्वश्रेष्ठ हैं, जिससे न केवल मैन्युफैक्चरिंग बल्कि निर्यात के लिए भी मजबूत आधार प्राप्त होता है। राज्य की एमएसएमई नीति और लॉजिस्टिक्स पॉलिसी ने उद्यमिता को नई गति दी है।

मन की बात में दिखी उभरते भारत की तस्वीर

पीएम ने याद दिलाया आपातकाल बताया योग से राष्ट्र का नया अध्याय

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 123वें एपिसोड में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की सफलता का जिक्र करते हुए देशवासियों को एकजुटता, आत्मबल और प्रकृति से जुड़ने का संदेश दिया। उन्होंने आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर लोकतंत्र की रक्षा में जनसामान्य के संघर्ष को याद किया और कई जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति पर भी बात की। पीएम मोदी ने कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वभर में करोड़ों लोगों ने भागीदारी की। उन्होंने विशाखापत्तनम में समुद्र तट पर तीन लाख लोगों द्वारा एकसाथ योग और दो हजार आदिवासी छात्रों द्वारा 108 सूर्य नमस्कार जैसे आयोजनों को विशेष बताया। हिमालय की बर्फीली चोटियों पर आईटीबीपी के जवानों से लेकर वडनगर में 2121 लोगों द्वारा सामूहिक भुजंगासन और न्यूयॉर्क, लंदन, टोक्यो जैसे शहरों में हुए आयोजन योग के वैश्विक प्रभाव का प्रतीक बने। इस वर्ष की थीम 'एक पृथ्वी - एक स्वास्थ्य' को उन्होंने वसुधैव कुटुंबकम की भावना से जोड़कर बताया।

धार्मिक यात्राएं, श्रद्धा से सेवा तक... पीएम मोदी ने भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का उल्लेख करते हुए तीर्थयात्राओं को शरीर-मन की शुद्धि और सेवा भावना का माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्राएं 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को सुदृढ़ करती हैं और इनसे जुड़े सेवा कार्य सच्चे सामाजिक समर्पण के उदाहरण हैं।

आपातकाल पर तीखी टिप्पणी... प्रधानमंत्री ने आपातकाल को लोकतंत्र की हत्या करार देते हुए कहा कि न्यायपालिका को भी नियंत्रित करने की कोशिश की गई थी। जॉर्ज फर्नांडिस को जंजीरों में बांधना, छात्रों की गिरफ्तारी और मीसा के तहत दमन ङ्क सब कुछ लोकतांत्रिक मूल्यों पर कुठाराघात था। उन्होंने कहा कि अंततः जनता की जीत हुई और आपातकाल थोपने वाले हार गए।

सामाजिक सुरक्षा में बड़ी छलांग... मोदी ने बताया कि 2015 तक देश में 25 करोड़ लोग सामाजिक सुरक्षा योजना से जुड़े थे, जो अब बढ़कर 95 करोड़ हो गए हैं। ङ्घ॥ह्र द्वारा भारत को ट्रेकोमा मुक्त घोषित किए जाने को उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों की मेहनत का परिणाम बताया। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार भारत की 64% आबादी को सामाजिक सुरक्षा मिल रही है।

तेलंगाना दौरे में गृहमंत्री शाह ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल जवानों के बलिदान का अपमान

तेलंगाना, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तेलंगाना दौरे के दौरान कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर करारा हमला बोला है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दुश्मनों को करारा जवाब दिया, तब भी राहुल गांधी सवाल उठाते रहे। यह हमारे जवानों के बलिदान का अपमान है। उन्होंने आगे कहा कि सुरक्षा बलों के पराक्रम पर सवाल उठाना देश की सुरक्षा नीति को कमजोर करने जैसा है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारतीय सेना ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। जिसमें कई कुख्यात आतंकी भी मारे गए थे।

यूजीसी का अल्टीमेटम- एक माह में दुरुस्त करें सभी नियम

एएमयू समेत 89 संस्थानों को किया डिफॉल्टर घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी

यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन ने एंटी-रैगिंग नियमों की अनदेखी पर कड़ा रुख अपनाते हुए देशभर के 89 संस्थानों को डिफॉल्टर घोषित किया है। इनमें आईआईटी-बॉम्बे, आईआईटी-खड़गपुर, आईआईएम रोहतक, एएमयू जैसे देश के प्रमुख संस्थान शामिल हैं। यूजीसी के अनुसार, इन संस्थानों ने छात्रों और संस्थानों की अनिवार्य एंटी-रैगिंग घोषणाएं अब तक सबमिट नहीं की हैं, जो कि रैगिंग विरोधी विनियम, 2009 के अंतर्गत जरूरी है। यूजीसी ने इन संस्थानों को चेतावनी दी है कि यदि 30 दिनों के भीतर नियमों का पालन नहीं किया गया, तो यूजीसी फंडिंग, रिसर्च प्रोजेक्ट्स और मान्यता/संस्थागत संबद्धता तक रद्द की जा सकती है।

रूस का सबसे बड़ा हवाई हमला

यूक्रेन पर एक रात में दागे 500 मिसाइल एवं सैकड़ों ड्रोन, एफ 16 ध्वस्त व पायलट ढेर

कीव, एजेंसी

रूस का सबसे बड़ा हवाई हमले में यूक्रेन लड़ाकू विमान ध्वस्त कर दिया और पायलट सहित 7 दुश्मन ढेर कर दिया। यूक्रेन ने बताया कि एक एफ-16 लड़ाकू विमान रूस के भीषण मिसाइल और ड्रोन हमले में गिर गया। यह हमला रूस द्वारा अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला बताया जा रहा है, जिसमें सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलों का प्रयोग किया गया। रूस ने एक ही रात में 500 से अधिक ड्रोन और मिसाइलें यूक्रेन के पश्चिमी, दक्षिणी और मध्य हिस्सों पर दागीं। हमले में 477 ड्रोन और डिकॉय (झांसा देने वाले उपकरण) और 60 मिसाइलें शामिल थीं। यूक्रेनी वायुसेना ने इनमें से 249 हवाई लक्ष्यों को मार गिराया और शेष को इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग के जरिए निष्क्रिय किया गया। कम से कम छह नागरिक घायल हुए हैं और कई घर व बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि पायलट ने हमले के दौरान 7 हवाई लक्ष्यों को मार गिराया। जब वह सातवां टारगेट गिरा रहे थे, तभी उनका एफ-16 विमान क्षतिग्रस्त हो गया और उसकी ऊंचाई तेजी से घटने लगी। पायलट ने अंतिम क्षणों तक कोशिश की कि विमान किसी घनी आबादी वाले इलाके पर न गिरे।

विजय मत एंकर 1 जुलाई से होने जा रहे बड़े बदलाव, आपकी जेब पर पड़ेगा सीधा असर

कल से बदल रहे रेल किराये से लेकर क्रैडिट-पैन कार्ड के नियम

नई दिल्ली, एजेंसी

देशभर में 1 जुलाई 2025 से कई महत्वपूर्ण नियमों में बदलाव होने जा रहा है, जिनका सीधा असर आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी और खर्चों पर पड़ेगा। इनमें पैन कार्ड से लेकर बैंकिंग, रेलवे टिकट बुकिंग, गैस सिलेंडर की कीमत और क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियम शामिल हैं। इन नए प्रावधानों के लागू होते ही आपकी जेब पर बोझ बढ़ सकता है या कुछ मामलों में राहत भी मिल सकती है। रेलवे मंत्रालय 1 जुलाई 2025 से मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में एसी और नॉन-एसी क्लास का किराया बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार, नॉन-एसी (स्लीपर, सेकंड सीटिंग आदि) श्रेणियों में 1 पैसा और सभी एसी क्लास में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की दर से किराया बढ़ाया जा सकता है। 500 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए सेकंड क्लास ट्रेन टिकट की कीमतों और एमएसटी में कोई बदलाव नहीं होगा।

तत्काल टिकट बुकिंग पर सख्ती

अब तत्काल टिकट सिर्फ उन्हीं यात्रियों को मिलेगा जिनका आईआरसीटीसी अकाउंट आधार से लिंक है। जुलाई से ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण जरूरी होगा, जो आधार से जुड़े मोबाइल नंबर पर आएगा। रेलवे एजेंट तत्काल बुकिंग शुरू होने के पहले 30 मिनट तक टिकट नहीं बुक कर पाएंगे।

पैन कार्ड नियमों में बदलाव

आधार कार्ड अनिवार्य- अब 1 जुलाई से नए पैन कार्ड के लिए आवेदन करने पर आधार कार्ड देना अनिवार्य होगा। यह नियम सीबीडीटी द्वारा लागू किया गया है। यदि आपके पास पहले से पैन और आधार दोनों हैं, तो इन्हें लिंक करना भी जरूरी है। इसके लिए 31 दिसंबर, 2025 तक का समय दिया गया है।

कार्यालयः भोपाल ■ शहडोल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़ ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ भिलाई

रघुराज उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक दो की बिल्डिंग निर्माण में देरी, सत्र 2025-26 भी संकट में

छात्रों के लिए केवल पांच कमरे शेष, गुणवत्ताहीन निर्माण पर उठे सवाल

विजय मत, शहडोल

जिला मुख्यालय स्थित रघुराज उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-2 की नई इमारत का निर्माण कार्य एक वर्ष से भी अधिक समय से धीमी गति से जारी है। अक्टूबर 2024 में प्रारंभ हुए इस निर्माण कार्य को सितंबर 2025 तक पूर्ण किया जाना था, किंतु अब तक भवन का स्ट्रक्चर भी पूर्ण नहीं हो पाया है। इससे शैक्षणिक सत्र 2025-26 भी प्रभावित होने की आशंका गहराने लगी है।

केवल पांच कक्ष, छह सौ से अधिक विद्यार्थी

विद्यालय में वर्तमान में केवल पांच कमरे ही उपयोग योग्य बचे हैं, जबकि विद्यार्थियों की संख्या 600 से अधिक है। ऐसे में विद्यार्थियों को पढ़ाने की व्यवस्था करना शिक्षकों और प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। एक ही कक्षा में दो से तीन सेक्शन के बच्चों को बैठाकर पढ़ाना पड़ रहा है, जिससे पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। छात्र-छात्राओं को स्थानाभाव होने के कारण अध्यापन कार्य में भारी व्यवधान उत्पन्न हो रहा है।

गुणवत्ता पर सवाल, निरीक्षण में लापरवाही

करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये की लागत से जनजातीय कार्य विभाग द्वारा इस नई इमारत का निर्माण कराया जा रहा है। भवन में कुल 16 कमरे प्रस्तावित हैं, जिनमें विज्ञान प्रयोगशालाएं भी शामिल होंगी। हालांकि, निर्माण कार्य की धीमी गति और निरीक्षण की कमी से निर्माण की गुणवत्ता पर भी प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। यदि समय पर विभागीय इंजीनियर द्वारा निगरानी की जाती, तो स्थिति बेहतर हो सकती थी।

रिजल्ट पर असर, वैकल्पिक व्यवस्था की दरकार

बीते सत्र में विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम भी अव्यवस्थित कक्षा प्रबंधन के कारण प्रभावित हुआ। यदि रघुराज स्कूल क्रमांक एक के बंद पड़े कुछ कक्ष खोले जाएं तो इस गंभीर समस्या से राहत मिल सकती है। वर्तमान स्थिति में विद्यालय को जुलाई 2025 से केवल पांच कमरों में ही संचालन करना होगा, जिससे बच्चों की पढ़ाई पर पुनः नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

पुरानी इमारत थी बेहद मजबूत

गौरतलब है कि इस विद्यालय की पुरानी इमारत सन 1933 में अंग्रेजों के काल में निर्मित की गई थी और यह शहडोल का पहला हायर सेकेंडरी स्कूल था। भवन की मजबूती इतनी अधिक थी कि उसे तोड़ने में मजदूरों को काफी मेहनत करनी पड़ी। यदि उस भवन की मरम्मत कर दी जाती तो वह आगे भी कई वर्षों तक उपयोग में लाया जा सकता था। लेकिन अब उसे पूरी तरह ध्वस्त कर नई इमारत बनाई जा रही है।

एसईसीएल सोहागपुर इंटक के द्वारा महाप्रबंधक का किया गया भव्य स्वागत

धनपुरी- आरसी क्लब में इंटक के द्वारा 27 जून को एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।इसके मुख्य अतिथि सोहागपुर क्षेत्र के लोकप्रिय महाप्रबंधक पी श्री कृष्णा थे यह कार्यक्रम उनके सम्मान में रखा गया था।

मुख्य अतिथि पी श्री कृष्णा के क्लब में पहुंचते ही सभी इंटक के पदाधिकारी व आमंत्रित अधिकारियों ने ताली बजाकर उनका भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत में सबसे पहले इंटक के प्रदेश अध्यक्ष सोहागपुर के अध्यक्ष और कंपनी सेफ्टी बोर्ड के सदस्य कमलेश शर्मा ने मुख्य अतिथि पी श्री कृष्णा को गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया और इसके पश्चात श्री कृष्णा का स्वागत अमरजीत सिंह ने किया। कार्यक्रम में मंचाशीन महाप्रबंधक संचालन मनीष श्रीवास्तव का स्वागत कमलेश शर्मा ने किया। इसके उपरांत डॉक्टर नवीन शर्मा सीएमएस बुढार सेंट्रल हॉस्पिटल ,श्री आरके जैन स्टाफ ऑफिसर सिविल का भी स्वागत कमलेश शर्मा और अमरजीत सिंह ने किया। स्वागत की घड़ी में कमलेश शर्मा ने कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुभाष गुप्ता और नगर पालिका शहडोल के अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल का भी स्वागत गुलदस्ता और भेंट करके किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से आमंत्रित जाने-माने पत्रकार और क्षेत्र के प्रतिष्ठित नागरिक सनत शर्मा का स्वागत कमलेश शर्मा ने किया ,वहीं श्री अमरजीत सिंह ने क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक बलराम हेंब्रम का भी स्वागत किया।

जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन हेतु किए गए कार्य लाई रंग, पानी से हुए लबालब

शहडोल। विराट नगरी शहडोल का बाणगंगा कुंड और राम जानकी मंदिर है यह मंदिर अत्यंत प्राचीन मंदिर है मंदिर के सामने ही विराटेश्वर महादेव का मंदिर है जो वस्तुकला का प्रमाण है उदाहरण है बाणगंगा कुंड बहुत महत्वपूर्ण है यह माना जाता है कि महाभारत कालीन में जब भीष्म पितामह के लिए अर्जुन ने बाणों का संधान किया था बाण के संधान से इस कुंड का उद्गम हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रेरणा और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सुप्रयासों से जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक चलाया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत संभागीय मुख्यालय शहडोल के बाणगंगा कुंड में जनप्रतिधियों, अधिकारियों मीडियाकर्मी, जनमानस द्वारा सफाई का कार्य किया गया था। कुंड को अब नया जीवनदान मिला है। पारंपरिक कुंडों में जल स्तर बढ़ गया है और उनका पानी अब स्वच्छ एवं सुंदर दिखाई दे रहा है। वर्षा जल संचयन की यह तस्वीर न केवल प्राकृतिक सौंदर्य को निखार रही है, बल्कि जल संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक संकेत भी दे रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत संभागीय मुख्यालय शहडोल के मोहनराम तालाब में भी वृहद स्तर पर सफाई का कार्य किया गया था।

सुरभि महिला समिति के द्वारा अति गरीब असहाय जनों को 35 रूई के गद्दे भेंट किए गए

धनपुरी। एसईसीएल श्रद्धा महिला मंडल बिलासपुर की अध्यक्षा परम आदरणीया श्रीमती शशि दुहन भाभीजी और उनके सहयोगियो के द्वारा किए जा रहे सामाजिक कल्याणकारी कार्यो से प्रेरित हो कर सुरभि महिला समिति सुहागपुर क्षेत्र ने दिनांक 28/06/2025 को ग्राम जगरान टोला में 35 अतिगरीब असहाय जनों को सुरभि महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमती अपर्णा कृष्णा जी ने अपने कर कमलों से 35 रुई के गद्दे के साथ सभी को खाने के पैकेट एवं फल भेट किये तथा वहाँ उपस्थित सभी बच्चो को चिप्स , टॉफ़ी और फल बाटे गए 7

इस अवसर पर सुरभि महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमती अपर्णा कृष्णा जी ने अपने उद्बोधन में सभी वृद्ध जनों और महिलाओं को हमेशा गद्दे का उपयोग करने के सलाह दी । इस कार्यक्रम मे श्रीमती अपर्णा श्री कृष्णा के साथ सुरभि महिला समिति के सदस्याएं श्रीमती संगीता सिन्हा, पी.सत्या रमन्ना , साधना जैन , पद्मावती बंडारू, संजू सिंह , सुनीता हेम्ब्रम,अनूपा सेनगुप्ता, अनिता प्रसाद, भवानी बालकृष्णा, अंजना कुर्रे,
पुष्पा बिन्याला, साधना तोमर , सुप्रिया झा , स्मृती तिवारी, सिमरन रावत की सहभागिता रही।

जल गंगा संवर्धन अभियान से बनाए गए खेत तालाब से कृषक सिया शरण यादव के माथे से खतम हुई चिंता की लकीरें

विजय मत, शहडोल

जल गंगा संवर्धन अभियान छोटे किसानों के लिए वरदान साबित हो रहा है। अभियान के माध्यम से किसानों को खेत में खेत तालाब बनाने के लिए मनरेगा मद से तीन लाख रूपए की आर्थिक सहायता मिल रही है। खेत तालाब बनने से जहां मानसून सीजन में वर्षा के अंतराल के दौरान सिंचाई के अभाव में खेत तालाब से पानी पहुंचाकर खेती को नया जीवन मिल सकेगा। जिले के जनपद पंचायत गोहपारु के ग्राम पंचायत खांड निवासी श्री सिया शरण यादव ने अपनी खुशियां व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से वर्षा आधारित खेती कर रहे थे। कई बार वर्षा में अंतराल के दौरान फसल सूख जाती थी। अब खेत तालाब में संचित जल से फसलों की सिंचाई कर सकेंगे। पानी की उपलब्धता हो जाने से खेती के साथ-साथ सब्जी उत्पादन तथा फलदार पौधरोपण करके अतिरिक्त आय अर्जित करने का विकल्प मिल गया है। अब परिवार को मजदूरी के लिए इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा। हम अपने खेत पर ही काम करके अतिरिक्त आय अर्जित कर सकेंगे। खेत तालाब में मछलीपालन से भी अतिरिक्त आय हो सकेगी।

कार्यालय नगरपालिका परिषद बिजुरी, जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

Phone/Fax No.: 07658-264242, E-mail: cmobljuri@mpurban.gov.in,

क्र. 559/न.पा./ लो.नि./ 2025 — बिजुरी, दिनांक 17/06/2025

ई- निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदार, पंजीकृत फर्म को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्य की निकाय द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की गई है।

निविदा क्र	ई- निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	2025_UAD 431225_1	INSTALLATION OF STREET LIGHT WITH OCTAGONAL POLE FROM LOHSARA STADIUM TO MAUHARI APPROACH ROAD AT WARD NO 14	57.59 लाख	43194.00	10000.00	16-07-2025 (17:30 HRS)
2	2025 UAD 431224_1	INSTALLATION OF STREET LIGHT WITH OCTAGONAL POLE, FROM MAUHARI KHALETOLA TO BHAGTA COLLEGE AT WARD NO 01	81.54 लाख	61163.00	10000.00	16-07-2025 (17:30 HRS)
3	2025 UAD 431217_1	INSTALLATION OF STREET LIGHT WITH OCTAGONAL POLE FROM BIJURI COLLIERY CANTEEN TO GALLAIYA TOLA RAILWAY FATAK VIA MINUS TIRAHA AT WARD NO 09	54.08 लाख	40567.00	10000.00	16-07-2025 (17:30 HRS)
4	2025 UAD 431200_1	EXTENSION OF 11KV LINE NEAR DR. CHOUHAN HOUSE TO NEAR NAGAR PALIKA OFFICE VIA POLICE THANA, TEHSIL OFFICE AT WARD NO 12	18.56 लाख	13922.00	2000.00	16-07-2025 (17:30 HRS)
5	2025_UAD 431189_1	INSTALLATION OF STREET LIGHT WITH OCTAGONAL POLE FROM KAPILDHARA MAIN ROAD TO PATHAK KIRANA GATE VIA RKVV SCHOOL AT WARD NO 07	37.29 लाख	27973.00	5000.00	16-07-2025 (17:30 HRS)
6	2025_UAD 431181_1	INSTALLATION OF STREET LIGHT WITH OCTAGONAL POLE FROM DOUBLE STORY TO SIGUDI APPROACH ROAD AT WARD NO 03	27.14 लाख	20359.00	5000.00	16-07-2025 (17:30 HRS)
7	2025 UAD 431176_1	INSTALLATION OF STREET LIGHT WITH OCTAGONAL POLE FROM KAPILDHARA MAIN ROAD TO RAILWAY UNDER BRIDGE AT WARD NO 07	62.92 लाख	47192.00	10000.00	16-07-2025 (17:30 HRS)
8	2025 UAD 431155_1	INSTALLATION OF STREET LIGHT WITH OCTAGONAL POLE FROM PANCH-MUKHI HANUMAN MANDIR TO BAHERA BANDH CULVERT AT WARD NO 14	32.22 लाख	66112.00	10000.00	16-07-2025 (17:30 HRS)
9	2025_UAD 431169_1	INSTALLATION OF STREET LIGHT WITH OCTAGONAL POLE FROM STAFF COLONY TO MAUHARI VILLAGE AT WARD NO 01	86.83 लाख	65130.00	10000.00	16-07-2025 (17:30 HRS)

1. निविदा प्रस्तुत करने संबंधी सभी जानकारी वेब साईट (https://mptenders.gov.in) में निःशुल्क देखी व प्राप्त की जा सकती है।
2.बिड प्रस्तुतीकरण (ऑनलाईन) तिथि एवं अन्य जानकारी BID DATA SHEET व "KEY DATES" में देखी जा सकती है।
3. निविदा के किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन केवल बेबसाईट में। में किया जावेगा, समाचार पत्र में नहीं ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् बिजुरी
जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

कार्यालय नगरपालिका परिषद विजुरी, जिला-अनूपपुर (म0प्र0)

Phone/Fa& No: 67658-264242, E-mail: emailjuri@mparhan.gov.in,
क्र. 504/न.पा./लो नि./2025 — बिजुरी दिनांक 10-06-2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

एतद द्वारा मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदार पंजीकृत फर्म को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्य की निकाय द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की गई है।

क्र.	ई- निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1-	2-	3-	4-	5-	6-	7-
1	2025 UAD _4297491_1	CONSTRUCTION OF HE ROAD FROM DHARMOTTAM SHUKLA TO MANGAL BHAWAN VIA JAKIDA TIRAHA AT WARD NO I	46.07 लाख	34,560.00	5000.00	11-07-2025 (17:30HRS)
2	2025 UAD _429672_1	INSTALLING SLAB FROM SABIR KHAN HOUSE TO MAIN DRAIN AND BHOLA SAV HOUSE TO MANOJ GOND HOUSE AND RATAN PAN THELA TO BITTU HOUSE AT WARD NO 2	04.00 लाख	4009.00	2000.00	25-06-2025 (17:30HRS)
3	2025 UAD _429681_1	LAYING OF PAVER BLOCKS FROM MOHADA DAFAAL FROM ACHHELALS HOUSE VIA BAIGAN BASTI AND BASOR MOHALLA TO ST. JOSEPH TILL THE MAIN ROAD OF TYAGI HOTEL AND NAMAN AGENCY AT WARD NO 6	27.38 लाख	20,540.00	5000.00	11-07-2025 (17:30HRS)
4	2025 UAD _429688_1	CONSTRUCTION OF RCC DRAIN AND CULVERT FROM MOTI PALS HOUSE VIA BETAI SHUKLA MAHARAIS HOUSE TO THE MAIN ROAD IN FRONT OF RENU SINGHS HOUSE AT WARD NO 6	13.70 लाख	10,279.00	2000.00	11-07-2025 (17:30HRS)
5	2025 UAD _429701_1	CONSTRUCTION OF RCC CULVERT 10 C-BLOCK BEHIND AVANTKA REST HOUSE IN WARD NO 06	06.12 लाख	6121.00	2000.00	25-06-2025 (17:30HRS)
6	2025 UAD _429706_1	CONSTRUCTION OF ROC DRAIN FROM BHALUGADAR TALAB TO PRAJAPATI MOHALLA VIA ABDUL HUSSAIN HOUSE AT WARD NO 7	13.74 लाख	10,307.00	2000.00	11-07-2025 (17:30HRS)
7	2025 UAD _429713_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD FROM JAISWAL PETROL PUMP TO BENGALI DADA HOUSE VIA RAJESHIBUSE AT WARD NO 8	08.46 लाख	8,846.00	2000.00	25-06-2025 (17:30HRS)
8	2025 UAD _429717_1	CONSTRUCTION OF ROC DRAIN FROM JAISWAL PETROL PUMP TO BENGALI DADA HOUSE VIA RAJESILHOUSE AT WARD NO 8	03.70 लाख	3,700.00	2000.00	25-06-2025 (17:30HRS)
9	2025 UAD _429726_1	CONSTRUCTION OF RCC DRAIN FROM CM PLR CAMP TO SANTOSH BANSAL HOUSE VIA TANKA THAFAI MADARSA AT WARD NO 10	61.41 लाख	30,706.00	10000.00	11-07-2025 (17:30HRS)
10	2025 UAD _429728_1	CONSTRUCTION OF CE ROAD FROM CM PENH CAMP TO SANTOSH BANSAL HOUSE VIA TANKA THAFAI MADARSA AT WARD NO 10	33.75 लाख	25,314.00	5000.00	11-07-2025 (17:30HRS)
11	2025 UAD _429732_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD FROM MOHAN KEVAT HOUSE TO DR MUKHERJEE HOUSE AT WARD NO 12	15.79 लाख	11,847.00	2000.00	11-07-2025 (17:30HRS)
12	2025 UAD _429735_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD FROM DINESH DHANWAR HOUSE TO CHARAN DHANWAR HOUSE VIA CHANDAN MEHRA HOUSE AT WARD NO 14	05.02 लाख	5,021.00	2000.00	25-06-2025 (17:30HRS)
13	2025 UAD _429741_1	CONSTRUCTION OF RCC DRAIN FROM DINESH DHANWAR HOUSE TO CHARAN DHANEAR HOUSE VIA CHANDAN MEHRA HOUSE AT WARD NO 14	03.32 लाख	3,329.00	2000.00	25-06-2025 (17:30HRS)
14	2025 UAD _429745_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD FROM BANDHU NAPIT HOUSE TO KOTHI MAIN TIRAHA AT LOHSARA WARD NO 15	16.92 लाख	12,695.00	2000.00	11-07-2025 (17:30HRS)
15	2025 UAD _429747_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD FROM RAHUL SAHU MUNNI BAI YADAV HOUSE AT WARD NO 15	09.09 लाख	9,092.00	2000.00	25-06-2025 (17:30HRS)

1. निविदा प्रस्तुत करने संबंधी सभी जानकारी वेब साईट (https://mptenders.gov.in) में निःशुल्क देखी व प्राप्त की जा सकती है।
2 बिड प्रस्तुतीकरण (ऑनलाईन) तिथि एवं अन्य जानकारी BID DATA SHEET व "KEY DATES" में देखी जा सकती है।
3. निविदा के किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन केवल बेबसाईट में किया जावेगा, समाचार पत्र में नहीं ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् बिजुरी जिला-अनूपपुर (म0प्र0)

न्यूज इन शॉर्ट

सिगुड़ी में खून से लथपथ मिली लाशएहत्या की आशंका

उमरिया। मानपुर थाना अंतर्गत ग्राम सिगुड़ी में रविवार की सुबह खून से लथपथ युवक की लाश मिलीहै।।मृतक की पहचान स्थानीय तम्मा साहू पिता सोखइया साहूए उम्र लगभग 45 वर्षए के रूप में हुई है।शव की स्थिति देखकर प्रथम दृष्टया मामला हत्याकांड का प्रतीत हो रहा है।मृतक के सिर पर गहरे घाव के निशान हैंएबतायाजाताहैकि मृतक तम्मा साहू अपने घर से करीब डे? किमी दूर लहूलुहान हालत में मिला है।जिससे संदेह है कि उसकी निर्ममता से हत्या कर शव को घटना स्थल पर डंप किया गया हैएघटना की सूचना पर मानपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच प्रारंभ की।पुलिस कुछ स्थानीय संदिग्धों से पूछताछ कर रही है।फिलहाल हत्या के कारणों और आरोपियों को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।ग्रामीणों में इस जघन्य वारदात को लेकर भय और आक्रोश का माहौल है।

जान से मारने की धमकी देने पर मामला कायम

उमरिया। नौरोजाबाद थाना अंतर्गत ग्राम सस्तरा में आरोपी व्दारा फरियादी से गाली गालौज करते हुए मारपीट की गई एवं जान से मारने की धमकी दी गई। जानकारी अनुसार बृजमोहन सिंह पिता सरजू सिंह उम्र 49 साल की षिकायत पर आरोपी भोला चौधरीए दीपू कछबधिया दोनो निवासी सस्तरा पर मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

मारपीट करने पर मामला पंजीबद्ध

उमरिया। मानपुर थाना अंतर्गत ग्राम नौगवां में अरोपी व्दारा फरियादी से गाली गालौज करते हुए मारपीट की गई। जानकारी अनुसार रोषनी व्दिवेदी पति हरिओम व्दिवेदी उम्र 19 साल निवासी हनुमान मंदिर के पास वार्ड क्रमांक 5 ग्राम नौगवां थाना मानपुर की षिकायत पर आरोपी नंदू लोनी ग्राम साखी थाना ब्यौहारी जिला शहडोल पर पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

एक्सीडेंट करने पर मामला दर्ज

उमरिया। पाली थाना अंतर्गत डैम के पास मोड पर मंगठार में आरोपी वाहन चालक व्दारा वाहन को लापरवाही पूर्वक चलाते हुए एक्सीडेंट कर दिया गया। जानकारी अनुसार पुलिस ने इस मामले में आरोपी सूरज सिह पिता चरण सिंह उम्र 23 साल बजरंग मोहल्ला की षिकायत पर न्यू बोलेरो क्रमांक एमपी 18 जेडबी 3634 के चालक पर मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

अवैध मदिरा जप्त

उमरिया। कोतवाली थाना अंतर्गत राधे कोल अंडा दुकान ग्राम बिलासपुर में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए कच्ची महुआ शराब जप्त की है। जानकारी अनुसार आरोपी राधे उर्फराधेष्याम कोल पिता रज्जू कोल उम्र 26 साल पर कार्यवाही करते हुए उसके पास से हाथ भट्टी की बनी 6 लीटर कच्ची महुआ शराब जप्त की है जिसकी कीमत 600 रूपये है। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है । मामले की विवेचना की जा रही है।

सीढी से गिरने पर युवक की मौत

उमरिया। इंदवार थाना अंतर्गत ग्राम चंसुरा के पास सीढी से गिरने पर युवक की मौत हो जाने का समाचार प्रकाष में आया है। जानकारी अनुसार मृतक युवक का नाम राहुल यादव पिता पुन्नू लाल यादव उम्र 19 साल निवासी ग्राम चिल्हारी है। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

पथरहटा एवं बंधवाटोला के पंच पद के लिए रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त

उमरिया । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने जनपद पंचायत करकेली अंतर्गत ग्राम पंचायत पथरहटा एवं बंधवाटोला के पंच पद के लिए मध्यप्रदेश पंचायत निर्वाचन नियम के अनुसार रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया है। उन्होंने प्रभारी तहसीलदार बांधवग? दिलीप सोनी को रिटर्निंग ऑफिसर एवं प्रभारी तहसीलदार करकेली के डी पनिका को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया है। उन्होंने कहा है कि रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग ऑ?सिर पंचायतों के उप निर्वाचन के दौरान आयोग के निर्देशानुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2026 हेतु आनलाइन आवेदन 29 जुलाई तक किया जा सकता है

उमरिया ।प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय ने बताया कि सत्र 2026.27 हेतु कक्षा छटवीं में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 13 दिसंबर को आयोजित होगी । इसके लिए आवेदन 29 जुलाई तक किया जा सकता है । जिले में निवासरत एवं उमरिया जिले में ही सत्र 2025.26 में कक्षा 5वीं मे अध्ययनरत छात्र लिंक पर जाकर 29 जुलाई तक आनलाइन आवेदन कर सकते है । इस संबंध में किसी तरह की जानकारी हेतु या असुविधा की स्थिति में जवाहर नवोदय विद्यालय उमरिया के हेल्प डेस्क नंबर 7976297013ए 9997233171 पर संपर्क किया जा सकता है ।

जिला सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक 30 जून को

उमरिया । कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक 30 जून को समय सीमा की बैठक के पश्चात आहूत की गई है ।

जिला क्वालिटी एश्योरेंस कमेटी की बैठक हुई

प्रत्येक शनिवार को चंदिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर निर्धारित दिवस सर्विस का आयोजन किया जाएगा

विजय मत, उमरिया

जिला क्वालिटी एश्योरेंस कमेटी की बैठक जिला अस्पताल के सभागार में जिला स्वास्थ्य अधिकारी ए परिवार कल्याण कार्यक्रम अधिकारी डॉ एसबी चौधरी की उपस्थिति में संपन्न हुई । उन्होंने विकासखंड मानपुर में प्रत्येक शुक्रवार एवं अमरपुर में प्रत्येक बुधवार को निर्धारित दिनों मे सर्विस गतिविधि आयोजन करने हेतु निर्देशित किया।विकासखंड पाली हेतु प्रत्येक सोमवार एवं शनिवार जिला चिकित्सालय शहडोल में आयोजित किया जा रहा है जिसमें शहडोल जिले के निकट ग्राम वासियों को निर्धारित दिवस सर्विस का लाभ दिया जाने पर चर्चा की गई ।

जिला चिकित्सालय एवं करकेली ब्लाक हेतु प्रत्येक गुरुवार को जिला चिकित्सालय में प्रत्येक सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौरोजाबाद पर एवं प्रत्येक शनिवार को चंदिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर निर्धारित दिवस सर्विस का आयोजन किया जाएगा । महिला नसबंदी एवं पुरुष नसबंदी हेतु हितग्राहियों को सहमति के आधार पर निर्धारित दिवस सर्विस में सेवाएं प्रदान की जाएगी जिस हेतु जिला परिवार कल्याण कार्यक्रम अधिकारी डॉ एस बी चौधरी के द्वारा उपस्थित मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि उक्त गतिविधि को संपादित करने हेतु माइक्रो प्लान बनाकर जमा करें एवं मासिक कैलेंडर के साथ कैंप कैलेंडर साप्ताहिक तैयार करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने बताया कि महिला नसबंदी हेतु विकासखंड एवं संस्था स्तर पर कुल प्रसव के विपरीत 30 प्रतिशत स्थाई साधन पी पी आईयूसीडी लक्ष्य अनुरूप पूर्ण किया जाना है एवं अन्य 70 प्रतिशत में से 40 प्रतिशत अंतरा इंजेक्शन का लक्ष्य पूर्ण किया जाना है जिस हेतु उन्होंने निर्देशित किया कि कार्य योजना के साथ.साथ संस्था स्तर पर प्लान अनुसार साप्ताहिक मॉनिटरिंग एवं माइक्रो प्लान सेक्टर सुपरवाइजर के माध्यम से नियमित लिया जाए एवं सेक्टर बैठक में एजेंडा बनाकर इसकी समीक्षा किए जाने के निर्देश मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी को दिये गये।

डॉ एस बी चौधरी ने बताया कि जिले में जनसंख्या नियंत्रण एवं टि एफआर एवं मातृ मृत्यु शिशु मृत्यु को कम करने हेतु संस्थागत प्रसव बच्चों में अंतर रखने हेतु स्थाई एवं स्थाई साधनों को अपने जाने पर ही जिले में टि एफआर को काम किया जा सकता है । उन्होंने महिला नसबंदी के साथ ही साथ पुरुष नसबंदी पर भी कार्य करने हेतु स्वास्थ्य अमले को निर्देशित किया। जिला परिवार कल्याण अधिकारी द्वारा बताया गया कि अंतरा इंजेक्शन की फॉलो अप पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है ।

मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर पर विगत सप्ताह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य कार्यालय से प्राप्त निर्देश अनुसार प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत प्रत्येक माह दिनांक 9 व 25 को आयोजित होने प्रत्येक गर्भवती माता की जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें समस्त गर्भवती माता एवं उच्च जोखिम गर्भवती माता को अतिरिक्त फॉलोअप दिए जाने हेतु निर्देशित किया गया । बैठक में उपस्थित जिला कुष्ठ अधिकारी डॉक्टर वीके जैन द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को स्पॉट चेक सर्वे हेतु ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण आयोजित करने हेतु चर्चा की गई जिसमें दिनांक 2 जुलाई 2025 को मानपुर विकासखंड एवं 3 जुलाई 2025 को करकेली विकासखंड व 4 जुलाई 2025 को पाली विकासखंड में प्रशिक्षण हेतु स्पॉट चेक सर्वे एरिया सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एसहयोगिनी एवं एएनएम को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा जिसमें प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया उक्त बैठक में मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी विकासखंड पाली डॉ वी के जैन विकासखंड मानपुर से डॉक्टर एन पी जैसल एवं बी ई ई शंकर कालेए पाली विकासखंड से रामसनेही विश्वकर्माए विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक भानु विश्वकर्माए विकासखंड कम्युनिटी मोबिलाइज राजेंद्र वर्माए एव नर्सिंग अधिकारी उपस्थित रहे।

उमंग स्वास्थ्य केंद्र का नोडल अधिकारी द्वारा किया गया निरीक्षण

विजय मत, उमरिया

नोडल अधिकारी डॉक्टर डॉ एस बी चौधरी एवं मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ वी के जैन विकासखंड पाली के द्वारा जिला चिकित्सालय में स्थापित उमंग स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उमंग स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता कुमारी वर्षा त्रिपाठी उपस्थिति रही । नोडल अधिकारी अधिकारी द्वारा उमंग स्वास्थ्य केंद्र में संचालित परामर्श सेवाओं की जानकारी प्राप्त की गई जिसमें परामर्शदाता द्वारा बताया गया कि क्लीनिक में 10 से 19 वर्ष के किशोर किशोरियों की परामर्श सुविधा उपलब्ध है इसमें बीएमआई मैनेजमेंट बैलेंस डाइट एनीमियाए फिजिकल एक्टिविटी एन्यूट्रिशनए स्किन इश्यूज एरिलेशनशिप इशूए प्रेगनेंसी एयोवन एवं प्रजनन स्वास्थ्यए विवाह पूर्व परामर्श ए स्वच्छता माहवारी संबंधी परामर्श ए संचारी रोग एवं असंचारी रोग ए डिप्रेशनए सुसाइडल टेंडेंसी एईटिंग डिसऑर्डरए लर्निंग प्रॉब्लम ए मेंटल हेल्थ इश्यू एसेल्फ हार्म एबुलीइंगए ड्रग सब्सटेंस मिसयूजए वायलेंस इश्यू जैसे परामर्श सुविधा प्रदान की जा रही है ।

जिला समन्वय किशोर स्वास्थ्य द्वारा उपस्थित टीम को अवगत कराया गया कि उमंग स्वास्थ्य केंद्र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर में भी गैर सरकारी संस्था द्वारा पदस्थ परामर्शदाताओं के माध्यम से सेवाएं प्रदान की जा रही है । उन्होंने बताया कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी कलेक्टर के निर्देश द्वारा राज्य के निर्देश के परिपालन में किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता द्वारा आउटरीच गतिविधि के तहत उमंग क्लिनिक में परामर्श सेवाओं के साथ.साथ स्कूलों हॉस्टल एवं कॉलेजो में लगभग क्लीनिक से 25 किलोमीटर के दायरे में है वह विषय पर सेशन आयोजित करेंगे एवं परामर्श सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी ।

नोडल अधिकारी डॉक्टर डॉ एस बी चौधरी द्वारा गैर संस्था गैर सरकारी संस्था के पदार्थ समस्त किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाताओं को जुलाई 2025 से लेकर मार्च 2025 तक आगामी भ्रमण प्लान महावार जमा करने हेतु निर्देशित किया गया हैं उनके द्वारा रिकॉर्ड का अवलोकन किया गया एवं एवं किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता को बेहतर परामर्श सुविधा प्रदान करने कराने हेतु निर्देशित किया गया।

धरती आबा अभियान के तहत बंधवाटोला तथा इंदवार में शिविर संपन्न

विजय मत, उमरिया

सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग डा पूजा व्दिवेदी ने बातया कि धरती आबा जन जातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जन जातीय समुदायो को सशक्त बनाने के लिए 15 जून से जनपद पंचायतों के चयनित ग्रामों में कैंप का आयोजन प्रारंभ हो गया है। उन्होने बताया कि 29 जून को करकेली विकासखंड के ग्राम पंचायत बंधवाटोलाए तथा मानपुर जनपद पंचायत के इंदवार में शिविर का आयोजन किया गया शिविर के माध्यम से आधार कार्डए पीएम आवासए आयुष्मान भारत कार्डए पीएम गरीब कल्याण अन्न योजनाए पीएम उज्जवला योजनाए वन अधिकार पट्टाए आयुष्मान कार्डए सामाजिक सुरक्षा वृध्दावस्था पेंशनए एलपीजी गैस कनेक्शनए जन धन खाताए बीमा योजनाए पीएम सुरक्षा मातृत्व अवकाशए राशन कार्डए पीएम विश्वकर्माए पीएम मातृत्व योजनाए पीएम आवास योजनाए टीकाकरण स्किलए मछली पालन हेतु हितग्राहियों का चिन्हांकन करने के साथ ही अन्य योजनाओ की जानकारी से अवगत कराया गया ।

अंतिम शीतल जल सेवा उपरांत भावपूर्ण समापन

विजय मत, शहडोल

शीतल जल सेवा (प्याऊ) का यह पावन अभियान जो 1 अप्रैल 2025 से निरंतर चल रहा था, इस वर्ष के अपने अंतिम ट्रैन संख्या 18233 नर्मदा एक्सप्रेस में जल सेवा प्रदान कर इस वर्ष की अंतिम शीतल जल सेवा उपरांत भावपूर्ण समापन किया गया।इस सेवा के अंतर्गत हर दिन स्टेशन पर यात्रियों को शुद्ध व शीतल जल उपलब्ध कराया गया, यह सेवा न केवल प्यास बुझाने का कार्य कर रही थी, बल्कि मानवता और सेवा भाव की मिशाल भी बनी।शेखर ढांड, सुशील खोडियार, पावन पाण्डेय, श्रीमती रीता पाण्डेय, सत्य प्रकाश राजवानी, इम्तियाज अहमद, क्रिस्टी अब्राहम, मंजूर अहमद, संतोष राव, महेद्र, प्रशांत नामदेव, राजेश सोंधिया, भागवत, मोहम्मद याकूब, रमीत सिंह, अयान खान, देवेंद्र श्रीवास्तव, अनुशील सिन्हा, इसाक खान, दुर्गा तांती, गोपाल निगम, जसवीर सिंह दुआ, कुमुद तिवारी, निरंजन पटेल, लखन बुचवानी, नरेश सिंघल, दीपक गौतम, शहंशाह फारुकी, समीम, श्याम, मुखूतार खान, ईशान अहमद, फरहान अहमद, माही खान, जैकलीन अब्राहम आदि उपस्थित हुए।

अभ्यार्थियों के दस्तावेजों का परीक्षण आज किया जाएगा

उमरिया । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा व्ही एस चंदेल ने बताया कि याचिकाकर्ताओं जिन्होनें कर्मचारी चयन मण्डल म0प्र0 भोपाल द्वारा वर्ष 2023 में आयोजित समूह.05 के अंतर्गत ए0एन0एम0 ;महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताद्ध की सीधी भर्ती हेतु आयोजित संयुक्त परीक्षा उत्तीर्ण की हैए एवं उनका नाम मेरिट में है। ऐसे अभ्यार्थियों के आवेदन कार्यालय में जमा कराए गए है। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं भोपाल द्वारा जारी दिशा निर्देशानुसार नियुक्ति संबंधी नियमानुसार निर्णय लिए जाने हेतु अभ्यार्थियों के दस्तावेजों का परीक्षण 30 जून को दोपहर 2 बजे तक छानबीन ध्जॉच समिति के समक्ष कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी में किया जाना है। ऐसे अभ्यर्थी समस्त यथोचित मूल दस्तावेजों एवं उच्च न्यायालय के निर्णय की प्रमाणित प्रति के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करेगें।

शिक्षक और अभिभावकों के संकल्प ने गढ़ी नई इबारत 900 फिट की बाउंड्री बनाकर पेश की अनुकरणीय मिसाल

विजय मत, सीधी

समर्पण, सहयोग और सशक्त नेतृत्व जब एकजुट होते हैं, तो कोई भी असंभव कार्य संभव हो जाता है। ऐसा ही प्रेरणादायक उदाहरण माध्यमिक विद्यालय कंजवार, विकासखंड मझौली में पदस्थ शिक्षक शैलेन्द्र प्रताप सिंह बालेन्दु ने प्रस्तुत किया है, जिन्होंने विद्यालय को पुनर्जीवित करने अपने संकल्प में अभिभावकों, ग्रामवासियों, जनप्रतिनिधियों एवं निजी संस्थाओं को सहभागी बनाकर न केवल विद्यालय की स्थिति बदली, बल्कि शिक्षा के प्रति समाज का दृष्टिकोण भी परिवर्तित कर दिया। शिक्षक शैलेन्द्र सिंह के नेतृत्व में विद्यालय परिसर की लगभग 900 फीट लंबी लोहे की जालीदार बाउंड्री दीवार गेट सहित तैयार की गई, जो न केवल विद्यालय की सुरक्षा का प्रतीक है, बल्कि यह सामूहिक प्रयासों की एक अनूठी मिसाल भी बन चुकी है। उनके इस प्रयास में समाज के विविध वर्गों का सक्रिय सहयोग रहा, जिसमें अभिभावकों की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। कभी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पहुंच चुकी यह शाला, आंगनबाड़ी भवन के एक छोटे से कमरे में संचालित होने को विवश थी। बच्चों का नामांकन न्यून था और बंद होने की कगार पर खड़ी यह शाला आज ब्लॉक, जिला एवं प्रदेश स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर चुकी है। उनके प्रयासों से विद्यालय में हैंडपंप, समर्सिबल मोटर पंप तथा नवीन भवन की स्वीकृति विधायक कुंवर सिंह टेकाम द्वारा प्रदान की गई, जो उनके कार्यों की सच्ची सराहना है। विद्यालय के बच्चों को शैक्षणिक, सहशैक्षणिक और नैतिक मूल्यों में परिपक्व बनाना शैलेन्द्र सिंह का प्राथमिक उद्देश्य रहा है।

प्रतीक्षा

करोड़ों के पुल पर दो एवं चार पहिया वाहनों का सफर , सालों से तैयार थी करोड़ों से निर्मित बड़ी पुल

लौआर-कोरसर गोपद नदी के पुल पर बसों के चलने का इंतजार

विजय मत, सीधी

सीधी-सिंगरौली की सीमा और सिहावल विधानसभा क्षेत्र के लौआर व कोरसर गोपद नदी में करोड़ों की लागत से बनी पुल के समीप मिट्टी फिलिंग का काम होने के बाद दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों का सफर शुरू हो गया है। पुल के समीप डामरीकरण का कार्य न होने के कारण अब भी यात्री बसों एवं भारी वाहनों की आवाजाही नहीं हो पा रही है। दर्जनों गांवों के लोगों को काफी बेसब्री से इंतजार है कि गोपद नदी पुल पर बसों का संचालन शुरू हो जाए और उन्हें आसानी से आवागवन में सुविधा मिल सके। बताते चलें कि गोपद नदी में करोड़ों की लागत से पुल बनकर एक साल पहले तैयार हो गई थी लेकिन सिंगरौली जिले की सीमा में कोरसर के मुख्य मार्ग प्रधानमंत्री से इसको जोडने् में कुछ स्थानीय कास्तकार रोड़ा बने हुए थे। लिहाजा नवनिर्मित पुल को सडक् से जोडने् के लिए मिट्टी फिलिंग का काम रुका था। समाचार पत्रों में उक्त समस्या के प्रकाशन के पश्चात सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक के साथ ही सिंगरौली जिला प्रशासन द्वारा तत्परता पूर्वक पहल की गई और रोड़ा बने कास्तकारों से चर्चा कर उन्हें मुआवजा भुगतान का आश्वासन देकर मिट्टी फिड्क्षलग का काम पूरा कराते हुए आवागवन शुरू कराया गया। नई मिट्टी फिलिंग के बाद बरसात शुरू हो गई है। ऐसे में डामरीकरण के पश्चात ही यात्री बसों एवं भारी वाहनों का संचालन पुल से शुरू हो पाएगा। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि सिहावल विधायक विश्वामित्र की पहल से ही लौआर-कोरसर गोपद नदी पर पुल का निर्माण कार्य सुनिश्चित हो सका था और उनकी पहल से ही भूमि विवाद का जो रोड़ा बना हुआ था वह भी दूर हो गया। उक्त पुल के व्यवस्थित संचालन के लिए गोपद नदी के पुल से लेकर कोरसर मुख्य मार्ग तक लगभग 1 किलोमीटर सडक् का डामरीकरण होना काफी आवश्यक है। इसी वजह से क्षेत्रीय लोगों को गोपद नदी के बड़े पुल पर बसों का संचालन शुरू होने का इंतजार बना हुआ है। बसों के चलने से जो यात्रा कई घंटों की है वह काफी आसान हो जाएगी और प्रयागराज के लिए भी यहां से बस का संचालन आसानी से शुरू हो जाएगा।

चार जिले की जनता को मिलेगा लाभ- हेमप्रताप

समाजसेवी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता हेमप्रताप तिवारी ने कहा कि लौआर-कोरसर गोपद नदी में पुल का संचालन छोटे वाहनों के लिए शुरू किया गया है। सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक के प्रयास से बरसात बाद सडक का डामरीकरण कार्य पूर्ण होने पर बसें भी नियमित रूप से चलने लगेंगी। श्री तिवारी ने कहा कि गोपद नदी पुल पर बसों का संचालन शुरू हो जाने से चार जिलों की जनता को लाभ मिलेगा। सिंगरौली के चितरंगी के अलावा सीधी, मऊगंज, रीवा के रास्ते सुगम हो जाएंगे। यहां तक कि चितरंगी से अगर किसी को प्रयागराज जाना है तो यात्रा काफी कम हो जाएगी। साथ ही सीधी का रास्ता भी पुल के समीपी क्षेत्रों का महज 1 घंटा का रह जाएगा। इस पुल के बन जाने और व्यवस्थित संचालन शुरू हो जाने से क्षेत्रीय जनता का विकाश तो होगा ही साथ ही दुर्गम यात्रा भी काफी सुगम हो जाएगी।

इनका कहना है।

लौआर-कोरसर गोपद नदी पुल के समीप मिट्टी फिलिंग का काम हो चुका है। जिससे आवागवन शुरू हो गया है। बरसात के बाद सडक् का डामरीकरण कार्य शुरू हो जाएगा। जिसके बाद यात्री वाहनों की आवाजाही भी निर्बाध रूप से शुरू हो जाएगा। उक्त पुल में आवागवन शुरू कराना उनकी प्राथमिकता में शामिल है।

विश्वामित्र पाठक,
विधायक, विधानसभा क्षेत्र सिहावल

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

समाज की अंतरात्मा को झकझोरता मातृत्व पर लगा कलंक

रिश्तों की कोमल भूमि पर भरोसे के बीज बोए जाते हैं। वहीं से अंकुरित होता है जीवन, वहीं से जन्म लेती है संवेदना। लेकिन अगर मां की कोख से जीवन नहीं, हिंसा जन्म लेने लगे, तो वह केवल एक अपराध नहीं, बल्कि सभ्यता के विनाश का संकेत है। देवभूमि उत्तराखंड के हरिद्वार से आई हालिया घटना, जिसमें एक महिला नेत्री ने अपनी ही नाबालिग बेटी का बलात्कार करवाया, ये न केवल एक अमानवीय कृत्य है, बल्कि यह भारतीय समाज की मूल आत्मा पर किया गया क्रूरतापूर्ण आघात भी है। यह वो धरती है, जहां मां को देवी मानकर पूजा गया। जहां मातृभूमि की संकल्पना में राष्ट्र का रूप देखा गया। वही मां, जब शोषण की सूत्रधार बन जाए, सत्ता और वासना के कॉकटेल में नैतिकता की हत्या कर दे, तो इस त्रासदी को केवल अपराध नहीं कहा जा सकता। यह एक आत्महत्या है संवेदना की, परिवार की, और समाज की। यह घटना हमें मजबूर करती है कि हम सिर्फ पुलिस कार्रवाई या न्यायिक प्रक्रिया की प्रतीक्षा न करें, बल्कि आत्ममंथन करें। उस मासूम लड़की के कोमल मन पर क्या बीती होगी, जो दुनिया में सबसे सुरक्षित स्थान अपनी मां की गोद से ही अपमान, उत्पीड़न और दर्द पाती रही। जब बेटी अपनी आंखों में दहशत और सवाल लिए देखती है, और मां जवाब में ÷ये सब करना ही पड़ेगा÷ कहती है, तब ये न सिर्फ विश्वासघात होता है, बल्कि उस नन्हीं आत्मा के साथ एक गहन ऐतिहासिक अन्याय भी। परिवार को भारतीय समाज में प्राथमिक इकाई कहा गया है ये वो ईकाई जो मनुष्य को मनुष्य बनाती है, जो आत्मा को साकार करती है, जो सभ्यता की नींव रखती है। लेकिन जब वही इकाई भीतर से सड़ जाए, तो कौन से मंदिर, कौन से विद्यालय, कौन सा कानून समाज को बचा पाएंगे? हम टेक्नोलॉजी में आगे बढ़े हैं, लेकिन मूल्य कहाँ पीछे छूट गए? हमारी आत्मा की आवाज़ क्यों मंद पड़ती जा रही है? यह सवाल केवल उस एक मां का नहीं है।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

जल की बूंद-बूंद पर संकट : नीतियों के बावजूद क्यों प्यासी है भारत की धरती?

डॉ. सत्यवान सौरभ

> भारत की धरती पर जल का संकट एक ऐसी विडंबना बन चुका है, जिसे देखकर हैरानी होती है कि इतनी योजनाओं, घोषणाओं और नीतियों के बावजूद यह देश बूंद-बूंद के लिए क्यों तरस रहा है। जब कोई देश दुनिया की 18 प्रतिशत जनसंख्या को समेटे हुए हो और उसके पास केवल 4 प्रतिशत ताजे जल संसाधन हों, तो संकट की आशंका तो बनती है, पर यदि यही देश दशकों से जल संरक्षण और जल प्रबंधन की योजनाओं का ढोल पीटता हो और फिर भी सूखा, प्यास, और जलजनित बीमारियाँ उसके हिस्से में आएं – तो यह केवल प्राकृतिक संकट नहीं, यह नीति, प्रशासन और नागरिक चेतना की सामूहिक असफलता है।

भारत दुनिया की 18 प्रतिशत आबादी और मात्र 4 प्रतिशत ताजे जल संसाधनों के साथ गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। भूजल का अत्यधिक दोहन, प्रदूषण, असंतुलित खेती, और जलवायु परिवर्तन इसके प्रमुख कारण हैं। सरकारी योजनाओं और नीतियों के बावजूद कार्यान्वयन और जनभागीदारी की कमी से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना, सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा देना, जल की कीमत तय करना, और पुनर्चक्रण को अनिवार्य बनाना समय की मांग है। जब तक नीति, व्यवहार और चेतना एकसाथ नहीं बदलते, तब तक जल संकट भारत के भविष्य को चुनौती देता रहेगा। भारत में पानी की स्थिति को अगर आंकड़ों की भाषा में समझें, तो भयावहता साफ़ दिखाई देती है। नीति आयोग की रिपोर्ट कहती है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा भूजल उपभोक्ता है – लगभग 25 प्रतिशत भूजल अकेले भारत निकालता है। 11 प्रतिशत से अधिक भूजल खंड अत्यधिक दोहित यानी श1द्गह्ल-द्ग×श्चद्यशद्बह्लद्गस्र की स्थिति में हैं। दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद जैसे 21 प्रमुख शहरों के 2030 तक भूजल समाप्त होने की चेतावनी दी जा चुकी है। वहीं दूसरी ओर, 70 प्रतिशत जल स्रोत प्रदूषित हैं। फ्लोराइड, आर्सेनिक, नाइट्रेट और भारी धातुओं से दूषित यह जल 23 करोड़ से अधिक लोगों को प्रभावित कर रहा है। हर साल लगभग 2 लाख मौतें सिर्फ जलजनित बीमारियों से होती हैं – यह सिर्फ आंकड़ा नहीं, यह हमारी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

पानी का यह संकट केवल ग्रामीण इलाकों या गरीबों तक सीमित नहीं है। 2019 में जब चेन्नई जैसे आधुनिक शहर को ष्ठड्ड4 ज़्द्गह्म् का सामना करना पड़ा और जल ट्रेनें चलानी पड़ीं, तब यह साफ हो गया कि यह समस्या अब दरवाज़े पर नहीं, घर के भीतर आ चुकी है। और फिर भी हम इसे मौसमी समस्या मानकर हर बार भूल जाते हैं। सवाल यह है कि नीतियाँ तो बनीं – राष्ट्रीय जल नीति (2012), जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना, नमामि गंगे, जल शक्ति अभियान – पर फिर भी पानी का स्तर क्यों गिरता जा रहा है? जवाब सरल है – हमारी नीतियाँ ज़मीन पर नहीं उतरतीं, और हमारे व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आता। आज भी देश के अधिकांश किसान पानी की फिजूलखर्ची करने वाली फसलों की खेती करते हैं। पंजाब और हरियाणा जैसे जल-संकटग्रस्त राज्य में धान और गन्ने की खेती केवल इसलिए होती है क्योंकि सरकार रूस्क्क और मुफ्त बिजली देती है। नतीजा – भूजल का तेज़ी से दोहन, खेतों का क्षरण, और जल स्रोतों का खत्म हो जाना। दूसरी ओर, ड्रिप सिंचाई या स्प्रिंकलर जैसे आधुनिक जल संरक्षण उपायों की पहुंच केवल 9 प्रतिशत खेतों तक ही सीमित है। किसान जानते हैं, पर अपनाते नहीं – क्योंकि नीति और व्यवहार में दूरी है। शहरों की बात करें तो पाइपलाइन से लेकर टंकी तक, हर जगह लीकेज और बर्बादी का आलम है। स्मार्ट मीटरिंग अभी भी अधिकांश नगरपालिकाओं के लिए नया शब्द है। पुनः उपयोग (recycling) और वर्षा जल संचयन जैसे उपाय कहीं-कहीं दिखते हैं, लेकिन सामूहिक रूप से अपनाए नहीं जाते।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि जल संकट को अब भी केवल प्राकृतिक समस्या समझा जाता है। जबकि यह एक स्पष्ट रूप से 'नीतिगत और नैतिक' संकट है। जब तक यह दृष्टिकोण नहीं बदलेगा, तब तक कोई भी योजना सफल नहीं होगी। अब समय आ गया है कि भारत पानी को मुफ्त संसाधन मानना बंद करे और उसे जीवन मूल्य की तरह देखे। इसके लिए कुछ गहन और ठोस सुधारों की आवश्यकता है। सबसे पहले, पानी की कीमत तय होनी चाहिए – चाहे वह पीने का हो, या सिंचाई का। मुफ्त पानी की संस्कृति ने उपभोग को बर्बादी में बदल दिया है। जल का मूल्य निर्धारण सामाजिक न्याय और पर्यावरणीय विवेक के बीच संतुलन साध सकता है। दूसरा, सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों को केवल योजना पत्रों से निकालकर ज़मीनी हकीकत बनाना होगा। इसके लिए तकनीकी प्रशिक्षण, सस्ती उपलब्धता, और स्थानीय स्तर पर सहायता तंत्र बनाना होगा। तीसरा, भूजल का प्रबंधन केवल सरकार का नहीं, ग्राम पंचायतों और स्थानीय समुदायों का भी कर्तव्य होना चाहिए। अटल भूजल योजना को इस दिशा में सफल मॉडल के रूप में बढ़ाया जा सकता है। चौथा, किसानों को केवल फसल बीमा या सब्सिडी नहीं, जल आधारित फसल मार्गदर्शन की ज़रूरत है। यह तभी होगा जब रूस्क्क का ढांचा जल संरक्षण के अनुकूल फसलों को बढ़ावा देगा। देश को ऐसे नीतिगत हस्तक्षेपों की ज़रूरत है जो किसान की आय भी बढ़ाएं और पानी की बचत भी करें। पाँचवां, शहरों में जल पुनर्चक्रण अनिवार्य किया जाए। जो नगर पालिकाएं wastewater को recycle नहीं करतीं, उन्हें दंड और प्रोत्साहन दोनों के माध्यम से बदला जाए। बड़े भवनों में वर्षा जल संचयन अनिवार्य हो, और इसके अनुपालन की निगरानी की जाए। छठा, बच्चों के स्कूली पाठ्यक्रम में जल संरक्षण को केवल पर्यावरण अध्याय के रूप में न पढ़ाया जाए, बल्कि व्यवहार परिवर्तन के रूप में सिखाया जाए। यदि अगली पीढ़ी जल को कीमती माने, तो आज की प्यास भविष्य की सूखी धरती को बचा सकती है। सातवां, जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना होगा – जैसा प्रधानमंत्री ने आह्वान किया था। लेकिन यह आह्वान केवल भाषणों में नहीं, बजट और प्रशासनिक प्रतिबद्धता में दिखना चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

परीक्षा के नए पैटर्न में छात्रों को अंकों में बेहतर सुधार का यह मौका करियर में मील का पत्थर साबित होगा

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर पूरी दुनिया के मंझे हुएशिक्षाविदों बुद्धिजीवियों व शिक्षा के क्षेत्र में विशेष विश्लेषणात्मक भूमिका रखने वालों की पूरी नजर गढ़ी हुई है, क्योंकि इस नई राष्ट्रीय नीति 2020 में अनेकों ऐसे अनुशंसित नियम व मौके हैं जो शिक्षा के क्षेत्र में भारत की पीढ़ीयों में मील का पत्थर साबित होंगे। इसके पूर्व हमने देखे कि इंजीनियरिंग सहित अनेको कोर्स अपनी मातृभाषा में करने का सटीक सिस्टम लागू किया गया है, जो इस एनईपी 2020 का ही हिस्सा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को भारत के सभी राज्यों ने भी तुरंत लागू करना चाहिए क्योंकि इस शिक्षा नीति को अपनाने से जोजनरेशन निकलेगी वह पारिस्थितिकीजन्य विश्लेषण कर नई प्रौद्योगिकी वह नीति से आगे बढ़ाने वाली होगी।आज इस विषय पर हम चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि सीबीएसई के एग्जामिनर कंट्रोलर ने बुधवार दिनांक 25 जून 2025 शाम को प्रेस में बताया कि दसवीं की परीक्षा अब सत्र 2025-2026 से वर्ष में दो बार होगी, व उसका पूरा विवरण बताए जो हम नीचे पैराग्राफ में चर्चा करेंगे।चूँकि इस नए पैटर्न से छात्रों को अंकों में बेहतर सुधार करने का मौका मिलेगा जो उनके करियर में मील का पत्थर साबित होगा, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे सीबीएसई 10वीं बोर्ड का नया पैटर्न राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिश के अनुरूप परीक्षाओं को कम तनावपूर्ण व छात्रों को सीखने का बेहतर मौका देना है। साथियों बात अगर हम सत्र 2025-26 से सीबीएसई 10वीं की परीक्षा पैटर्न में चेंज की करें तो,अगर हम या हमारे बच्चे 10वीं की तैयारी कर रहे हैं तो यह खबर हमारे लिए बेहद जरूरी है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 2026 से कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं के तरीके में बड़ा बदलाव करने का ऐलान किया है, अब छात्रों को परीक्षा में साल में दो बार बैठने का मौका मिलेगा, यानी अगर कोई छात्र अपने पहले प्रयास के अंकों से संतुष्ट नहीं है, तो वह दूसरी परीक्षा में बैठ सकता है, इसका उद्देश्य छात्रों पर से दबाव कम करना और उन्हें बेहतर प्रदर्शन का दूसरा मौका देना है।सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक ने दी जानकारी दीं उन्होंने कहा, ''पहला चरण फरवरी में और दूसरा मई में आयोजित किया जाएगा, दोनों चरणों के परिणाम क्रमशः अप्रैल और जून में घोषित किए जाएंगेइससे छात्रों को एक ही शैक्षणिक सत्र में दो अवसर मिलेंगे और वे समय पर अपने करियर और आगे की पढ़ाई के लिए निर्णय ले सकेंगे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

जगन्नाथ रथ यात्रा है भगवान को पाने का पर्व

संजय गोस्वामी

> भगवान ने राजा को उस संदूक को उसी स्थान पर रखकर उसके ऊपर एक मंदिर बनवाने का आदेश दिया, जिसका नाम जगन्नाथ होगा। भगवान ने यह भी कहा कि मंदिर में कोई मूर्ति नहीं होगी और एक विद्वान को रखा जाएगा जो पवित्र गीता के अनुसार ज्ञान का प्रचार करेगा। राजा ने भगवान से मंदिर के स्थान को दिखाने का अनुरोध किया, और भगवान ने उन्हें वह स्थान दिखाइयास मंदिर का सबसे पहला प्रमाण महाभारत के वनपर्व में मिलता है। कहा जाता है कि सबसे पहले सबर आदिवासी विश्वावसु ने नीलमाधव के रूप में इनकी पूजा की थी। आज भी पुरी के मंदिरों में कई सेवक हैं जिन्हें दैतापति के नाम से जाना जाता है।

हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है।देवताओं की मूर्तियों को तीन विशाल रथों में ले जाया जाता है जिन्हें उत्साहित भक्त खींचते हैं। यह उत्सव आषाढ़ (जून-जुलाई) महीने के पखवाड़े के दूसरे दिन शुरू होता है और नौ दिनों तक चलता है। इस यात्रा को रथ महोत्सव और गुंडिचा यात्रा के नाम से जाना जाता है। पंचांग के अनुसार, 2025 में तिथि 26 जून को दोपहर 1:24 बजे से शुरू हुआ और पुरे देश मैं धूमधाम से मनाई जा रही है जो 5मई तक चलेगा । पूरी के जगन्नाथपूरी मैं कहा जाता की भगवान श्री कृष्ण का दिल है दरअसल जब महाभारत मैं गांधारी जो एक पतिव्रता स्त्री थी गांधारी ने महाभारत मैं कौरवों के नाश के बाद भगवान श्री कृष्ण क़ो श्राप दिया था जिस तरह मेरे सारे पुत्रों कृष्ण के उकसाने पर मारे गए हैं तो तुम्हारे वंश का भी विनाश होगा भगवान कृष्ण चाहते तो इसे बचा सकते थे और कहा जाता है कि द्वारिका नगरी समुद्र मैं डूब गई और भगवान श्री कृष्ण किसी जंगल मैं सोये थे तो किसी जंगल मैं जानवर का एक शिकारी ने हिरण के शिकार के भ्रम मैं भगवान श्री कृष्ण के पाँव मैं तीर लग गई और तब शिकारी ने कहा कि गलती से भगवान ये बाण लगा मुझे माफ करें तब उन्होंने बताया की यह होना तय था और पिछले जन्म मैं तुम बाली थे और मैं भगवान श्री राम और मैंने तुम्हे धोखे से मारा था उसके बाद भगवान कृष्ण ने प्राण त्याग दिए और पांडवों ने भगवान कृष्ण का अंतिम संस्कार किया था। जिसमें अस्थि के साथ उनका दिल भी था समुद्र मैं प्रवाहित कर दि एक पौराणिक कथा के अनुसार, राजा इंद्रद्युम्न को स्वप्न में भगवान कृष्ण ने दर्शन दिए और अपनी अस्थियों वाला एक संदूक जिसमें दिल भी था जो पुरी में समुद्र किनारे मिलने की बात बताई। राजा इंद्रदयुम्न मालवा का राजा था जिनके पिता का नाम भारत और माता सुमति था। राजा इंद्रदयुम्न को सपने में हुए थे जगन्नाथ के दर्शन। कई ग्रंथों में राजा इंद्रदयुम्न और उनके यज्ञ के बारे में विस्तार से लिखा है। उन्होंने यहां कई विशाल यज्ञ किए और एक सरोवर बनवाया। एक रात भगवान विष्णु ने उनको सपने में दर्शन दिए और कहा नीलांचल पर्वत की एक गुफा में मेरी एक मूर्ति है उसे नीलमाधव कहते हैं। ?तुम एक मंदिर बनवाकर उसमें मेरी यह मूर्ति स्थापित कर दो। राजा ने अपने सेवकों को नीलांचल पर्वत की खोज में भेजा। उसमें से एक था ब्राह्मण विद्यापति।

विद्यापति ने सुन रखा था कि सबर कबीले के लोग नीलमाधव की पूजा करते हैं और उन्होंने अपने देवता की इस मूर्ति को नीलांचल पर्वत की गुफा में छुपा रखा है। वह यह भी जानता था कि सबर कबीले का मुखिया विश्वेवसु नीलमाधव का उपासक है और उसी ने मूर्ति को गुफा में छुपा रखा है। चतुर विद्यापति ने मुखिया की बेटी से विवाह कर लिया। आखिर में वह अपनी पत्नी के जरिए नीलमाधव की गुफा तक पहुंचने में सफल हो गया। उसने मूर्ति चुरा ली और राजा को लाकर दे दी।

विश्वचवसु अपने आराध्य देव की मूर्ति चोरी होने से बहुत दुखी हुआ। अपने भक्त के दुख से भगवान भी दुखी हो गए। भगवान गुफा में लौट गए, लेकिन साथ ही राज इंद्रदयुम्न से वादा किया कि वो एक दिन उनके पास जरूर लौटेंगे बशर्ते कि वो एक दिन उनके लिए विशाल मंदिर बनवा दे। राजा ने मंदिर बनवा दिया और भगवान विष्णु से मंदिर में विराजमान होने के लिए कहा। भगवान ने कहा कि तुम मेरी मूर्ति बनाने के लिए समुद्र में तैर रहा पेड़ का बड़ा टुकड़ा उठाकर लाओ, जो द्वारिका से समुद्र में तैरकर पुरी आ रहा है। राजा के सेवकों ने उस पेड़ के टुकड़े को तो ढूंढ लिया लेकिन सब लोग मिलकर भी उस पेड़ को नहीं उठा पाए। तब राजा को समझ आ गया कि नीलमाधव के अनन्य भक्त सबर कबीले के मुखिया विश्वूवसु की ही सहायता लेना पड़ेगी। सब उस वक्त हैरान रह गए, जब विश्ववसु भारी-भरकम लकड़ी को उठाकर मंदिर तक ले आए।

अब बारी थी लकड़ी से भगवान की मूर्ति गढ़ने की। राजा के कारीगरों ने लाख कोशिश कर ली लेकिन कोई भी लकड़ी में एक छैनी तक भी नहीं लगा सका। तब तीनों लोक के कुशल कारीगर भगवान विश्वेकर्मा एक बूढ़े व्यक्ति का रूप धरकर आए। उन्होंने राजा को कहा कि वे नीलमाधव की मूर्ति बना सकते हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने अपनी शर्त भी रखी कि वे 21 दिन में मूर्ति बनाएंगे और अकेले में बनाएंगे। कोई उनको बनाते हुए नहीं देख सकता। उनकी शर्त मान ली गई। लोगों को आरी, छैनी, हथौड़ी की आवाजें आती रहीं। राजा इंद्रदयुम्न की रानी गुंडिचा अपने को रोक नहीं पाई। वह दरवाजे के पास गई तो उसे कोई आवाज सुनाई नहीं दी। वह घबरा गई। उसे लगा बूढ़ा कारीगर मर गया है। उसने राजा को इसकी सूचना दी। अंदर से कोई आवाज सुनाई नहीं दे रही थी तो राजा को भी ऐसा ही लगा। सभी शर्तों और चेतावनियों को दरकिनार करते हुए राजा ने कमरे का दरवाजा खोलने का आदेश दिया।जैसे ही कमरा खोला गया तो बूढ़ा व्यक्ति गायब था और उसमें 3 अधूरी ?मूर्तियां मिली पड़ी मिलीं। भगवान नीलमाधव और उनके भाई के छोटे-छोटे हाथ बने थे, लेकिन उनकी टांगें नहीं, जबकि सुभद्रा के हाथ-पांव बनाए ही नहीं गए थे। राजा ने इसे भगवान की इच्छा मानकर इन्हीं अधूरी मूर्तियों को स्थापित कर दिया। तब से लेकर आज तक तीनों भाई बहन इसी रूप में विद्यमान हैं लेकिन भगवान कृष्ण के दिल क़ो अग्नि देवता ने कुछ नहीँ किया क्योंकि ऐसा करने पर संपूर्ण जगत का विनाश हो जाता और अस्थि विसर्जन मैं दिल भी नदी मैं प्रवाहित हो गईकि पद्म पुराण की मानें तो एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर देखने की इच्छा जाहिर की। इसके लिए भगवान जगन्नाथ ने सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर दिखाया। इस दौरान वह अपनी मौसी के घर भी गए। जहां वह सात दिन तक रुके। मान्यता है कि तभी से हर साल भगवान जगन्नाथ निकालने की परंपरा जारी है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8413

1		2	3	■	4	5		6
	■	7		8			■	
9	10	■	■		■	■	11	
■		■	12		13	■		■
14				■	15			
■		■	16	17		■		■
18		■	■		■	■	19	20
	■	21	22		23	24	■	
25				■	26			

बाएँ से दाएँ

1. धनुर्धर-2,2
4. तरुणी, नाजनीन-4
7. संतुष्ट होना-5
9. टेलीग्राम-2
11. महोदय (अंग्रेजी-2)
12. कटि, कमरिया-3
14. फटकार, भर्त्सना-4
15. वतन, स्वेदश-4
16. पार होना, पार करना-3
18. विद्रोही-2
19. गरीब, निर्धन-2
21. लोचदार, लचकदार-5
25. पारंपरिक, पुरातन-4
26. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4

ऊपर से नीचे

1. शीघ्रता, जल्दी-3
2. मूल्य, कीमत-2
3. जनता, आम आदमी-2
4. किनारा, कोरा-2
5. इंकार, मनाही-2
6. पानी गर्म करने का यंत्र-3
8. भ्रम, वहम-3
10. साधू, संन्यासी-3,2
11. मुलायम सिंह की राजनीतिक पार्टी-5
12. कपड़े की दीवार-3
13. जिव्हा, जीभ-3
17. रसदार, रसभरा-3
18. कारण, वजह-3
20. नेत्र, लोचन-3
21. बुरी आदत-2
22. एक पड़ोसी देश-2
23. पराया, पंख-3
24. रग, नाड़ी-2

शब्द पहेली -8412 का हल

■	शा	र	दा	■	सा	हि	ल	■
दा	म	■	न	■	ल	■	त	ब
खि	■	प्रा	व	धा	न	■	■	रा
ल	व	ण	■	न	■	त	ह	त
■	■	ना	म	■	रा	ह	■	■
ती	र	थ	■	स	■	ल	ग	न
स	■	■	मु	च	ल	का	■	क
रा	ज	■	नी	■	ह	■	बे	टा
■	न	र	म	■	जा	हि	ल	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

30 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

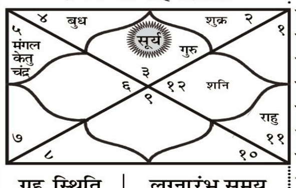

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.33 बजे से
चंद्र	सिंह में	सिंह	08.49 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.01 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.11 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.26 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.42 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.47 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.34 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.07 बजे से
राहुकाल		मेष	00.37 बजे से
7.30 से 9.00		वृष	02.17 बजे से
बजे तक		मिथुन	04.15 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 181 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 09.24 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 07.21 बजे को समाप्त।
योग सिद्धि(असृक) 17.21 बजे को समाप्त।
करण बालव 09.24 बजे तदनन्तर कौलव 21.47 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 04.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 10'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872391
जूलियन दिन 2460856.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 04
विशेष स्कंद षष्ठी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक		चर	05.43 से	07.14 बजे तक	
काल	07.22 से	08.50 बजे तक		रोग	07.14 से	08.45 बजे तक	
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक		काल	08.45 से	10.17 बजे तक	
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक		लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक	
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक		उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक	
चर	01.17 से	02.45 बजे तक		शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक		अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक	
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक		चर	04.22 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

कॉबिंग गस्त में 4 गिरफ्तारी व 1 स्थायी वारंट के फरार आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय पेश

अनूपपुर। राजेन्द्रग्राम पुलिस ने 28 जून को कॉबिंग गस्त के दौरान फरार स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटियों की तलाश में फरार स्थायी वारंट थान सिंह पिता छोटू सिंह 35 वर्ष निवासी उफरीकला और गिरफ्तारी वारंटी राजपाल यादव पिता नंदलाल यादव 25 वर्ष निवासी जीलंग, महेश दास पिता गुलाबदास 43 वर्ष निवासी बरटोला, दरवारी सिंह पिता दनिया सिंह 39 वर्ष निवासी सरवाही, नवल सिंह पिता सुखलाल सिंह सिंह 25 वर्ष निवासी मजीठा थाना राजेन्द्रग्राम को गिरफ्तार किया गया। जिसे न्यायालय राजेन्द्रग्राम में पेश किया गया है।

सर्पदंश से घबराएं नहीं - एक घंटे के भीतर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं

सीधी । वर्तमान में बारिश होने के साथ वातावरण में लगातार तापमान अधिक रहता है। साँप तथा अन्य जीव-जंतुओं के छिपने के स्थानों में पानी भर जाने के कारण उनका सतह पर विचरण शुरू हो जाता है। इसलिए बारिश में साँप एवं अन्य जहरीले जंतुओं के काटने की घटनाएं होती हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आमजनता को सर्पदंश से बचाव तथा उपचार की सलाह दी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा है कि विन्ध्य क्षेत्र में प्रमुख रूप से तीन जहरीले सांपों, करैत, रसेल वाइपर तथा कोबरा के काटने के कारण मौत की घटनाएं होती हैं। साँप काटने के बाद एक घण्टे की अवधि में सही उपचार होने पर पीड़ित की जान आसानी से बचाई जा सकती है। साँप काटने के तत्काल बाद निकट के अस्पताल जाकर एक घण्टे के भीतर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं। यह इंजेक्शन सीधी जिले के सभी विकासखण्डों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं जिला अस्पताल में उपलब्ध है। समय पर इंजेक्शन लगने पर जान का खतरा समाप्त हो जाता है।साँप काटने के स्थान पर तीखी जलन होती है। पीड़ित को अवसाद, उल्टी आना, लकवा तथा आँख की पुतलियों के फैल जाने के लक्षण दिखाई देते हैं। विष का प्रकोप होने के बाद पीड़ित में माँसपेसियों में ऐंठन और चेतनाहीनता हो जाती है। इसके बाद साँस रूकने से मौत हो जाती है। विष का सर्वाधिक असर तंत्रिका तंत्र और साँस लेने में होता है। कई बार साँप के काटने के स्थान पर सूजन आ जाती है तथा काटा हुआ स्थान काला पड़ जाता है। साँप काटने के बाद हाथ पैरों में झनझनाहट, चक्कर आना, पसीना छूटना, दम घुटना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। सर्पदंश के बाद तत्काल अस्पताल जाकर पीड़ित का उपचार कराएं। झोलाछाप डाक्टरों तथा झाड़फूक करने वालों के चक्कर में पड़कर समय न गवाएं। सर्पदंश से पीड़ित के काटने के स्थान से थोड़ा ऊपर हल्की पट्टी बांधे। काटने के स्थान पर चीरा भी न लगाएं इससे संक्रमण का खतरा रहता है। सर्पदंश तथा अन्य जहरीले कीड़ों के काटने से बचने के लिए कुएं, अंधेरे गड्ढे, झाड़ियों आदि में हाथ न डालें। घर से बाहर निकलते समय जूते अवश्य पहनें। ठंडे, अंधेरे और नम स्थानों में साँप छिपते हैं, ऐसे स्थानों में जाने से बचें। सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान ने आदिवासी परिवारों की पेयजल की समस्या का किया समाधान

सीधी । जिले के जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के ग्राम पंचायत झांझ के डांडी टोला में कुछ आदिवासी ऐसी जगह पर बसे हैं जहां चारों तरफ निजी भूमि है जिस कारण स्थाई पहुंच मार्ग अभी तक नहीं बन पाया है। हालांकि जनसंख्या में ये अधिक नहीं हैं लगभग 6 से 7 परिवारों की बस्ती है। इन लोगों के पास बाकी समस्याओं के साथ-साथ सबसे बड़ी समस्या पीने के पानी की थी। इनकी बस्ती के पास एक छोटे गड्ढे में पानी निकलता था उसी दूषित पानी को ये पीने और अन्य कार्यों में उपयोग करते थे। अब जल गंगा संवर्धन अभियान ने इन आदिवासी परिवारों की पेयजल समस्या का समाधान कर दिया है। ग्राम पंचायत ने अभियान के तहत उसी जगह पर हीरालाल कोल के खेत मे अब एक महीने के अंदर मनरेगा की कपिलधारा योजना के माध्यम से कुआं बना दिया है। इससे उन आदिवासी परिवारों की पेयजल समस्या के समाधान के साथ-साथ 478 मानव दिवसों का सृजन भी हुआ। बस्ती में निवासरत आदिवासियों के लिए यह कार्य किसी वरदान की तरह है। कुएं के साथ रिचार्ज स्ट्रक्चर भी बनाया गया है जो जलस्तर बढ़ाने में सहयोगी होगा। हीरालाल कोल की पत्नी चंदा रावत बताती हैं कि पहले पीने के पानी की बहुत समस्या थी, गड्ढे से जो पानी निकलता था वही पीते थे। बारिश के दिनों में तो समस्या और भी बढ़ जाती थी। अब शासन की पहल पर कुंआ बनने से बहुत ही खुशी और गर्व की अनुभूति हो रही है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की जांच के लिए दल गठित

सीधी। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामपुर नैकिन के संबंध में प्रसारित एवं प्रकाशित खबर कि अस्पताल में व्यवस्था बदहाल स्थिति में है एवं वार्डो में मरीजों के बेड पर आवारा कुत्ते आराम फरमाते हैं, के संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबिता खरे द्वारा आदेश जारी कर अस्पताल की जॉच के लिए समिति का गठन किया गया है।

अधिकृत विक्रेताओं से ही उर्वरक क्रय करने उप संचालक कृषि ने की अपील

अवैध उर्वरक भंडारण पर कृषि विभाग एवं पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, कई को नोटिस

विजय मत, अनूपपुर

खरीफ की बुवाई के दौरान बाजारों में असली की जगह नकली खाद-बीज की उपलब्धता से किसानों को नुकसान न हो कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देश में रविवार को कृषि विभाग अनूपपुर एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जैतहरी के ग्राम पचोहा में अवैध उर्वरक भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इस दौरान सुनील राठौर द्वारा संचालित एक निजी गोदाम में बिना लाइसेंस के बड़ी मात्रा में जिंक सल्फेट एवं जैविक ह्यूमिक एसिड खाद का अवैध भंडारण पाया गया। स्थल पर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने में असफल रहा।

खाद की गुणवत्ता एवं वैधता संदिग्ध पाए जाने पर कृषि विभाग की टीम ने संबंधित खाद की जब्ती कर गोदाम को सील कर दिया । कृषि विभाग द्वारा प्राथमिक रिपोर्ट तैयार कर पुलिस विभाग को सौंपी गई है तथा संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया प्रचलित है। इस प्रकार की गतिविधियों को रोकने जिला प्रशासन द्वारा निगरानी एवं सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। प्रभारी उपसंचालक कृषि निशा सिन्हा ने किसानों से अपील की है कि वे अधिकृत विक्रेताओं से ही उर्वरक क्रय करें एवं किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल विभाग को दें। निरीक्षण के दौरान एसडीओ कृषि विकास सिंह, एसएडीओ रामाधार मरावी सहित पुलिस की टीम उपस्थित रही।

कई दुकानों में मिली अनियमितता, नोटिस

कृषि विभाग की बीज एवं खाद निरीक्षकों की टीमों द्वारा अनूपपुर, जैतहरी, कोतमा एवं पुष्पराजगढ़ में कृषि आदान विक्रेताओं की दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य दुकानों पर उपलब्ध कीटनाशकों, बीजों एवं अन्य कृषि आदानों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना तथा नियमों के पालन की स्थिति की जांच करना था। जिसमें अनूपपुर मुख्यालय स्थित एक कृषि आदान विक्रेता की दुकान में बिना लाइसेंस की बिक्री तथा अवसादित कीटनाशकों की जब्ती की गई। वहीं 27 जून को कोतमा में भी कई दुकानों का निरीक्षण किया गया, जिसमें पाई गई अनियमितताओं को लेकर संबंधित दुकानदारों को नोटिस जारी कर वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ की गई।

कृषि उप संचालक ने किसानों से अपील की है कि वे केवल पंजीकृत दुकानों से ही कीटनाशक एवं बीज खरीदें और विक्रय रसीद अवश्य लें। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना लाइसेंस या गुणवत्ता विहीन कृषि आदान बेचने वालों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इटावा के दादरपुर गांव की घटना के विरोध में अखिल भारतीय यादव महासभा ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

विजय मत, अनूपपुर

22 जून को उत्तरप्रदेश के इटावा जिले के बकेबर थाना क्षेत्र के दादरपुर गांव में कथावाचक मुकुटमणि यादव एवं उनके सहयोगियों के साथ मारपीट, जबरन बाल काटना, सिर मंडण करना तथा नाक रगड़वाकर अन्य घृणित कार्य किए जाने के विरोध में 27 जून को अखिल भारतीय यादव महासभा के सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह सहित अन्य के नाम कलेक्टर अनूपपुर को ज्ञापन सौंपा। जिसमें जिलाध्यक्ष रामचरन यादव के नेतृत्व में सदस्यों ने यादव समाज के लोगों के प्रति की गई अति संवेदनशील अमानवीय घटना का विरोध किया तथा इसे स्वतंत्र भारत में आज भी कुछ लोगों द्वारा जातिवाद की घृणित मानसिकता व विचारधारा से ग्रसित होकर देश के लोगों की आपसी समरसता, भाईचारा को छिन्न भिन्न कर जातिवाद रूपी जहर फैलाकर नष्ट करना बताया। वहीं दादरपुर गांव में हुए घृणित घटना का वीडियो बनाकर बहुत ही शर्मनाक तरीके से सोशल मीडिया पर वायरल करना बताया है। उनका आरोप है कि इन लोगों ने भारतीय संविधान की आत्मा सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारा, को नष्ट करने एवं देश के सम्पूर्ण यादव समुदाय को चोट पहुंचाने, देश की एकता अखंडता को नष्ट करने व जातिगत जहर को घोलने का अक्षम्य अपराध किया है। इनके इस अमानवीय कुकृत्य के खिलाफ कठोर कार्रवाई कर पीड़ित लोगों के साथ साथ भारतवर्ष के सम्पूर्ण यादव समाज का अपमान करने वाले लोगों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई कर हमें न्याय प्रदान करें।

चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज़ों का सत्यापन एक जुलाई से

सीधी। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (एमपी ट्रांसको) द्वारा कनिष्ठ अभियंता (पारेषण-प्रशिक्षु) एवं लाइन परिचारक (प्रशिक्षु)-2024 के पदों पर चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया आगामी एक जुलाई से प्रारंभ होगी। यह प्रक्रिया तीन जुलाई तक चलेगी। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता अतुल जोशी ने बताया कि सत्यापन प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से एमपी ट्रांसको मुख्यालय, शक्तिभवन, ब्लॉक-2, मुख्य अभियंता (मानव संसाधन एवं प्रशासन) कार्यालय, जबलपुर में किया जाएगा। उम्मीदवारों द्वारा ऑनलाइन आवेदन के साथ अपलोड किए गए प्रमाण पत्र, अंकसूचियाँ एवं अन्य दस्तावेज़ों का परीक्षण उनकी मूल प्रतियों से किया जाएगा। इसके लिए तीन दल गठित किए गए हैं।

जल गंगा अभियान से बदली अमहा तालाब की सूरत

विजय मत, सीधी

जल गंगा संवर्धन अभियान एवं अमृत 2.0 मिशन के तहत वाटरबॉडी रेजुवेनशन कार्यक्रम के तहत नगर पालिका सीधी के वार्ड क्रमांक 23 में स्थित अमहा तालाब के रिजुवनेशन का काम नगर पालिका सीधी के द्वारा किया गया है। पहले जिस जगह पर नगर के लोग आने से कतराते थे आज उस जगह पर आकर गर्व की अनुभूति करते है। आज नगर वासियों के लिए स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण के साथ ही सुबह शाम टहलने के लिए एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से तालाब का सौंदर्य करण का कार्य किया गया है। लगभग 59.50 लाख रुपये की लागत से अमहा तालाब के सौंदर्यीकरण का कार्य किया गया हैं जिसमें ग्रीन स्पेस को बढ़ाते हुए महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रदान करने के उद्देश्य से नगर पालिका सीधी द्वारा अमृत 2.0 एवं डेएनयूएलएम के अभिसरण (कन्वर्जन) के माध्यम से वूमेन फॉर ट्री अभियान के तहत आम, जामुन, नीम, अमरूद, नीम, कचनार, पीपल, आवला, बरगद, मधुकामिनी, फॉक्सटेल पाम, पाईकस, अशोक इत्यादि पौधों का रोपण किया गया। इसके अतिरिक्त तालाब में पिचिंग, तालाब के चारों तरफ रेलिंग बीम सहित घाट का मरम्मतीकरण एवं नवीन निर्माण, कर्व स्टोन एवं इसे पुरातन लुक देते हुए पुराने पद्धति के हिसाब से तालाब के चारों तरफ टहलने के लिए पाथ-वे रबल स्टोन इत्यादि का भी कार्य कराया गया है।

जिले में औसत वर्षा 195.8 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा सिहावल में

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 29 जून को सीधी जिले में 19.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 0.0 मि.मी., चुरहट में 15.0 मि.मी., गोपद बनास में 30.4 मि.मी., सिहावल में 42.2 मि.मी., बहरी में 38.0 मि.मी., मझौली में 11.0 मि.मी. और कुसमी में 0.0 मि.मी. वर्षा हुई है।

उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 195.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 29 जून तक तहसील सिहावल में सर्वाधिक वर्षा 295.8 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 92.0, चुरहट में 154.5, गोपद बनास में 143.0, बहरी में 249.7 मझौली में 214.0 मि.मी. और कुसमी में 222.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 36.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 159.5 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

सार्थक एप में लगातार सामने आ रहा फर्जीवाड़ा

सागर के बाद विदिशा में 6 अतिथि विद्वानों की सेवा समाप्त, रद्दी की टोकरी में सीधी की शिकायत

विजय मत, सीधी

उच्च शिक्षा विभाग में सार्थक एप में हुआ फर्जीवाड़े ने हड़कंप मचा दिया। इस मामले में लगातार जांच की जा रही है व संचालनालय से लगातार जांच कर कार्यवाही की जा रही है। सागर के बाद अब विदिशा के शासकीय कन्या महाविद्यालय गंजबासौदा के 6 अतिथि विद्वानों की सेवा समाप्त कर दी गई। इन अतिथि विद्वानों द्वारा भी फर्जी तरीके से एप में हाजरी लगाई जा रही थी, वीडियो व वीडियो कालिंग के माध्यम से कॉलेज में न होते हुए भी कॉलेज की लोकेशन पर वह हाजरी लगा रहे थे। जांच में फर्जीवाड़ा आया तो वल्लभ भवन से उनकी सेवा ही समाप्त कर दी गई। लगातार हो रही कार्यवाहियों के बीच हैरानी की बात यह है कि क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा रीवा कार्यालय में सार्थक एप के ही फर्जीवाड़े से जुड़ी शिकायत पर प्रभारी एडी डॉ.आरपी सिंह ने अब तक संज्ञान नहीं लिया है। इस शिकायत का भी हाल पूर्व की शिकायतों की तरह की है और वह रद्दी की टोकरी में फेक दी गई है। हालांकि पूर्व की तरह इस मामले में भी प्रभारी एडी का दावा है कि जांच बैठा दी गई है लेकिन जिसे वह जांच सौंपने की बात कह रहे है उन्होंने इस बात से साफ इनकार कर दिया है कि उन्हें कोई जांच सौंपी गई है।

एडी व प्राचार्य पर कार्यवाही की मांग

बता दें कि पूर्व कांग्रेस प्रदेश सचिव रामप्रकाश तिवारी डैडू ने एडी रीवा से शिकायत कर बताया था कि शासकीय कॉलेज खड्डी जिला सीधी में कई अतिथि विद्वान गलत तरीके से हाजरी लगा रहे हैं। वह लोकेशन में रहते नहीं हैं इसके बाद भी उनकी लोकेशन खड्डी बताती है और आकर कई दिनों का एक साथ हस्ताक्षर भी करते हैं। प्रभारी प्राचार्य डॉ.रामसुरेश भारती कभी आते नहीं हैं और इन्हीं मनमानी करने वाले अतिथि विद्वानों को सार्थक एप का एडमिन आईडी पासवर्ड दे रखा है। पूर्व प्रदेश सचिव ने कहा कि शिकायत पर एडी ने संज्ञान नहीं लिया और उन्होंने शिकायत आयुक्त उच्च शिक्षा से की है और इसमें उन्होंने प्राचार्य व प्रभारी एडी पर भी कार्यवाही की मांग की है।

इनका कहना हैं

सार्थक एप से संबंधित शिकायत मिली है, शासकीय कॉलेज खड्डी जिला सीधी में कुछ अतिथि विद्वानों के गलत हाजरी लगाने की शिकायत मिली है। जांच के लिए लीड कॉलेज सीधी प्राचार्य को आदेशित किया है।

डॉ.आरपी सिंह,
प्रभारी क्षेत्रीय संचालक उच्च शिक्षा रीवा संभाग

मेरे पास कोई आदेश सार्थक एप में जांच संबंधित नहीं आए हैं, एडी रीवा ने इस संबंध में कोई आदेश नहीं दिया है।

डॉ.रामनारायण स्वर्णकार,
प्राचार्य लीड कॉलेज सीधी

गंभीर आरोप कार्यक्रम संयोजक एवं प्राचार्य पर लगाएं गए गंभीर आरोप, सम्मेलन में सिर्फ चुनिंदा पूर्व छात्रों को किया गया आमंत्रित

औपचारिकता में सिमटा संजय गांधी महाविद्यालय का पूर्व छात्र सम्मेलन

विजय मत, सीधी

जिले की अग्रणी महाविद्यालय प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी महाविद्यालय में पूर्व छात्र सम्मेलन सिर्फ औपचारिकता एवं बंदरबाट तक सीमित रहा। संजय गांधी महाविद्यालय में पूर्व छात्र सम्मेलन के आयोजन में प्रभारी प्राचार्य द्वारा अपने संबंधितों को बुलाकर कार्यक्रम को निपटाते हुए भ्रष्टाचार की बलि चढ़ा दी गई।

उल्लेखनीय है कि विगत दस दिनों में संजय गांधी महाविद्यालय में कई प्रभारी प्राचार्य बनाए गए और हटाए गए, आरोप है कि बिना वरिष्ठता का ध्यान दिए ही कनिष्ठ प्राध्यापक को प्रभारी प्राचार्य की कमान सौंप दी गई जो गलत है। यह जिले का अग्रणी महाविद्यालय है और अगर यहां कि व्यवस्था पर ग्रहण लग जाएगा तो समूचे जिले की सरकारी कॉलेजों के भविष्य पर ग्रहण लग जाएगा। आरोप यह भी है कि महाविद्यालय में पठन पाठन संबंधित व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है प्राध्यापको में प्रभारी प्राचार्य बनने की बाढ सी आ गई है। विगत एक वर्षो में लगभग आठ बार प्रभारी प्राचार्य बदले जा चुके हैं। पूर्व छात्र सम्मेलन को सिर्फ एक कमरे में औपचारिकता के लिए करा दिया गया जबकि शासन द्वारा इस कार्यक्रम के लिए पर्याप्त बजट भी मुहैया कराया जाता है जिससे बड़े स्तर में यह कार्यक्रम आयोजित हो, लेकिन यहां हालात यह है पूर्व छात्रों के साथ साथ कॉलेज में अध्ययनरत छात्रों को भी आयोजन की जानकारी नहीं मिल पाई है।

संजय गांधी कॉलेज में पढ़ने वाले पूर्व छात्र भारत की सबसे बड़ी संस्था डीआरडीओ से लेकर जज, मजिस्ट्रेट, सांसद, विधायक, कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार तक पहुंचे हैं। कॉलेज के पास एक बड़ा आडिटोरियम होने के बाद भी पूर्व छात्रों का सम्मेलन एक कमरे में करा कर खाना पूर्ति कर दी गई।

प्रभारी प्राचार्य पर लगाएं गए आरोप

पूर्व छात्रों ने सम्मेलन की जानकारी मिलने पर आरोप लगाते हुए कहा कि कार्यक्रम के प्रभारी बनाए गए उमेश विश्वकर्मा एवं प्रभारी प्राचार्य डॉ राम नारायण स्वर्णकार द्वारा खाना पूर्ति में पूर्व छात्रों का सम्मेलन निपटा दिया गया जबकि महाविद्यालय से जुड़े हुए पूर्व छात्र नेताओं को किसी प्रकार सूचना नहीं दी गई, ना ही किसी प्रकार का आमंत्रण दिया गया यह सम्मेलन गुपचुप तरीके से बजट का बंदरबांट करने तक सीमित रहा महाविद्यालय में इस तरह से होने वाले कार्यक्रमों की पूर्व छात्र छात्राओं ने कड़ी निंदा की है।

इनका कहना है।

महाविद्यालय में पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन होने के बाद सोशल मीडिया द्वारा जानकारी मिली है, हमें महाविद्यालय द्वारा न तो कोई पूर्व सूचना दी गई थी और न ही किसी प्रकार का आमंत्रण दिया गया जबकि हम लोग लगातार छात्रों के बीच जा रहे है छात्र हित के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं।

पवन मिश्रा, पूर्व छात्र एवं
अध्यक्ष जनभागीदारी मझौली महाविद्यालय।

हमें कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई जबकि हम महाविद्यालय के छात्र एवं प्राध्यापको के निरंतर सम्पर्क में है किन्तु पूर्व छात्र सम्मेलन की किसी प्रकार की सूचना नहीं दी गई।

महेन्द्र वैश्य,
पूर्व छात्र संजय गांधी कॉलेज

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य एवं कार्यक्रम प्रभारी की तानाशाही रवैए से छात्र एवं कॉलेज के अधिकारी कर्मचारी परेशान है इनको सात दिवस के अन्दर नहीं हटाया गया तो उग्र प्रदर्शन किया जाएगा।

सतीश पाण्डेय,
पूर्व छात्र संजय गांधी कॉलेज

महाविद्यालय में विगत एक वर्ष से जिस प्रकार प्राध्यापको में प्रभारी प्राचार्य बनाने की होड लगी है इससे जाहिर होता हैं कि कॉलेज अब राजनीति का अखाड़ा बन गया है, पठन पाठन पूरी तरह ध्वस्त हो चुका हैं।

संजीव साकेत,
पूर्व छात्र संजय गांधी कॉलेज सीधी

न्यूज इन शॉर्ट

पोषण से परिवर्तन की ओर - बच्चों के स्वास्थ्य सुधार राज्य स्तरीय कार्यशाला आज

भोपाल। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुनिर्मला भूरिया की अध्यक्षता में सुपोषित मध्यप्रदेश की दिशा में बढ़ते कदम को मजबूत करने एवं प्रभावी हस्तक्षेपों की सुनियोजित कार्ययोजना तैयार करने के उद्देश्य से "पोषण से परिवर्तन की ओर" 30 जून 2025 को होटल लेक व्यू रेजिडेंसी, श्यामलाहिल्स, भोपाल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में अपर मुख्य सचिव, महिला एवं बाल विकास श्रीमती रश्मि अरुण शमी तथा आयुक्त, महिला एवं बाल विकास श्रीमती सूफिया फारुकीवली द्वारा प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दिया जाएगा। कार्यशाला में प्रदेश के सभी संभागीय संयुक्त संचालक, जिलों के जिला कार्यक्रम अधिकारियों के साथ विषय-विशेषज्ञों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-3 (2005-2006) से सर्वे- 5 (वर्ष 2020-2021) के दौरान बच्चों के पोषण स्तर में व्यापक रूप से सुधारपरिलक्षित हुआ है। इन आंकड़ों के अनुसार कम वजन में लगभग 45%, दुबलापन में 46% एवं ठिगनापन में 29% तक का सुधार प्रदर्शित हो रहा है। कार्यशाला में इन्ही आंकड़ों के विश्लेषण एवं सुपोषित मध्यप्रदेश की आगामी कार्ययोजना के बारे में चर्चा की जाएगी। स्थानीय स्तर पर किए जा रहे विशेष प्रयासों का होगा प्रस्तुतीकरण बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के लिए जिलों द्वारा स्थानीय स्तर पर नवाचार किए जा रहे हैं। कार्यशाला के दौरान इन नवाचारों, विशेष प्रयासों का प्रस्तुतीकरण भी किया जाएगा। झाबुआ से कुपोषित बच्चों के पोषण प्रबंधन के लिये "मोटीआई", देवास जिले के मिशन किलकारी अंतर्गत स्पेशल हृष्ट जैसे प्रयासों को प्रस्तुत किया जाएगा।

गौशालाओं में गायों की लगेगी ई-अटेंडेंस, कान में लगाई जाएगी चिप, न डेटा मिटेगा न बदलेगा, फर्जीवाड़े पर भी लग सकेगी लगाम

भोपाल। मध्य प्रदेश में पशुपालन विभाग नई तकनीक लागू करने जा रहा है। इसके तहत गौशालाओं में गायों की हाजिरी डिजिटल तरीके से लगेगी। ई अटेंडेंस के जरिए गौशाला की चार लाख गायों की रोज निगरानी होगी। फर्जीवाड़ा रोकने के लिए यह पहल की जा रही है। एमपी पशुपालन विभाग ने एक प्रस्ताव तैयार किया है। इसके तहत गौ माता के कान में चिप लगाई जाएगी। गौशाला और गो संवर्धन का पूरा डेटा ऑटोमेटिक ऑनलाइन होगा। माइक्रो-चिप से हर गाय का स्थायी रिकॉर्ड बन जाएगा। जिसके बाद न तो इसको बदला जा सकेगा और न ही हटाया जा सकेगा। पशुपालन विभाग की पहल का उद्देश्य फर्जीवाड़ा रोकना है। अभी तक गायों के कान में पीले टैग लगाए जाते थे, जिन्हें आसानी से हटाया जा सकता था। कई बार गोशालाएं गायों की संख्या बढ़ाकर अनुदान लेती थीं। यहां तक कि कुछ दुधारू गायों को मृत दिखाकर बीमा राशि भी वसूल ली जाती थी। इस तकनीक के लागू होने के बाद यह साफ हो जाएगा कि कौन-सी गाय कब आई, कितनी बार गर्भवती हुई और वर्तमान में उसकी स्थिति क्या है। इससे फर्जीवाड़े पर लगाम लगेगी।

प्रमोशन में आरक्षण को लेकर अधिकारी-कर्मचारियों ने अधिवेशन में लिया बड़ा फैसला

भोपाल। मध्य प्रदेश में प्रमोशन में आरक्षण को लेकर सामान्य, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारी कर्मचारियों ने अधिवेशन बुलाया। जिसमें बड़ा फैसला लिया गया है। प्रदेश में जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है। कर्मचारियं ने कहा कि पदोन्नति आरक्षण के नियम बिल्कुल बर्दाश्त नहीं है। कल हाईकोर्ट से मामले में अर्जेंट हियरिंग की मांग की जाएगी। रविवार को कर्मचारी संगठन ने आरक्षण समाप्त करने को लेकर नर्मदा भवन में बड़ी बैठक की। सामान्य, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारी कर्मचारियों ने अधिवेशन बुलाया। जिसमें सपाक्स संगठन के साथ-साथ कई और कर्मचारी संगठन भी शामिल हुए। हम हैं माई के लाल के नारे के तहत बैठक शुरू हुई। इस बैठक में आने वाले दिनों में विरोध प्रदर्शन और सरकार से प्रमोशन के मुद्दे पर बातचीत करने की रणनीति बनाई गई है। वहीं अधिवेशन में बड़ा फैसला लिया गया है। सपाक्स जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन करेगी। कर्मचारियों का कहना है कि प्रमोशन आरक्षण के नियम बिल्कुल बर्दाश्त नहीं है। कल हाईकोर्ट से मामले में अर्जेंट हियरिंग की मांग करेंगे। अब तक तीन याचिका लगाई जा चुकी है, हमें उम्मीद है अगले सप्ताह तक हमारी सुनवाई होगी।

'मन की बात' कार्यक्रम में बालाघाट की बहन का शामिल होना हमारे लिए गर्व की बात

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 1 और 2 जुलाई को संपन्न होगी: शर्मा

विजय मत, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने रविवार को मध्य विधानसभा के अरेरा मंडल के बूथ क्रमांक 159 स्थित कम्युनिटी हॉल में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत कम्युनिटी हॉल परिसर में पौधारोपण किया। मीडिया से चर्चा करते हुए शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने अपने कार्यक्रम में बालाघाट जिले के कटंगी की बहन सुमा उइके के आर्थिक आत्मनिर्भरता के प्रयासों की विस्तार से चर्चा की है, जो प्रदेश की सभी बहनों के लिए प्रेरणादायक है, साथ ही हम सभी के लिए गर्व की बात है।

सार्थक हो रहे प्रधानमंत्री जी के प्रयास

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि हमने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया है, जिसकी चर्चा प्रधानमंत्री जी ने की है। प्रधानमंत्री के प्रयासों के चलते अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज सारी दुनिया में मनाया जाता है और इतना लोकप्रिय हो चुका है, जिसकी हम लोगों ने कल्पना भी नहीं की थी। योग आज देश और दुनिया में हर वर्ग के लोगों के लिए निरोग रहने का माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपने कार्यक्रम में बताया कि किस तरह भारत का जल-जीवन मिशन दूषित पानी से पैदा होने वाली बीमारियों पर रोक लगाने में कामयाब हो रहा है। अब तो विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इस तथ्य को स्वीकार कर रहा है।

बालाघाट की बहन बनी महिलाओं के लिए प्रेरणा... भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि हम सभी के लिए यह सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री जी ने अपने कार्यक्रम में बालाघाट जिले की कटंगी की बहन सुमा उइके की चर्चा कर बताया कि किस तरह यह बहन स्व-सहायता समूह के माध्यम से मशरूम उत्पादन और पशुपालन के काम करके आर्थिक रूप से सशक्त बन रही है। यह प्रधानमंत्री जी द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के संकल्प की सफलता का उदाहरण है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री जी ने भारत के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला जी से हुई बातचीत को लेकर भी चर्चा की। साथ ही खेलों की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री जी ने बताया कि किस तरह बोडोलैंड के युवाओं में परिवर्तन आया है और अब ये युवा फुटबाल के खेल में लगातार तरक्की कर रहे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 1 और 2 जुलाई को

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि यह वर्ष भारतीय जनता पार्टी के लिए संगठन चुनाव का वर्ष रहा है। बूथ अध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक के चुनाव की प्रक्रिया जारी है। मध्यप्रदेश में हमने सभी 65 हजार से अधिक बूथों का चुनाव कराकर इतिहास रचा है।

आपातकाल के बारे में तत्कालीन नेताओं की प्रतिक्रिया सुन हुआ रोमांच

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि 25 जून को हमने संविधान हत्या दिवस मनाया। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लगाकर संविधान को कुचल दिया था। प्रधानमंत्री जी ने अपने कार्यक्रम में उस समय विपक्ष के नेता स्वर्गीय मोरार जी देसाई, बाबू जगजीवन राम, श्रद्धेय अटल जी की प्रतिक्रियाओं को देशवासियों के सामने प्रस्तुत किया।

'मन की बात' देश की आत्मा से जुड़ाव का माध्यम प्रेरणा, दिशा और विश्वास का स्रोत: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि 'मन की बात' सिर्फ संवाद नहीं, यह देश की आत्मा से जुड़ाव का माध्यम है – प्रेरणा, दिशा और विश्वास का स्रोत है। प्रधानमंत्री मोदी का मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायक होता है। 'मन की बात' की 123वीं कड़ी ने जन-मन में नई ऊर्जा का संचार किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के स्वास्थ्य क्षेत्र की ऐतिहासिक उपलब्धियों, योग और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों के साथ-साथ आपातकाल की विभीषिका को भी याद किया। आपातकाल का दौर लोकतंत्र के लिए एक काली रात था, जिसे देशवासियों ने अपने साहस और दृढ़ संकल्प से समाप्त किया। यह हमारी लोकतांत्रिक चेतना की अमिट मिसाल है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा के बूथ क्रमांक 111 स्थित निवास में प्रधानमंत्री मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम "मन की बात" का श्रवण किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश के बालाघाट की बेटी सुसूमा उइके, जिन्होंने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मशरूम उत्पादन, पशुपालन और 'दीदी केंटीन' जैसे उद्यमों से आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की। प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात में सुसूमा उइके का उल्लेख प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। साथ ही यह अन्य महिलाओं को प्रेरित और प्रोत्साहित करेगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि भारत का 'ट्रेकोमा मुक्त' घोषित होना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह न केवल हमारे स्वास्थ्य कर्मियों की सतत मेहनत का परिणाम है वरन् यह 'स्वच्छ भारत अभियान' और 'जल जीवन मिशन' की सामूहिक सफलता का भी परिचायक है। यह जनसहभागिता आधारित स्वास्थ्य सुधार मॉडल का उत्कृष्ट उदाहरण है।

भोपाल, ग्वालियर समेत कई जिलों में बारिश

11 जिलों में हेवी रेन का अलर्ट, साढ़े 4 इंच गिर सकता है पानी, इंदौर-उज्जैन में यलो अलर्ट

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम बना हुआ है। रविवार को भोपाल, नर्मदापुरम, रतलाम, धार और रायसेन, विदिशा और खंडवा में में सुबह से रुक-रुककर तेज और रिमझिम बारिश जारी है। मौसम विभाग ने रविवार को ग्वालियर, चंबल, रीवा और शहडोल संभाग के 11 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। यहां अगले 24 घंटे के दौरान साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। 1 जुलाई से स्ट्रॉन्ग सिस्टम बनेगा। इससे प्रदेश के आधे से ज्यादा जिलों में अति भारी या भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत अन्य जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। वहीं गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, अनूपपुर, मंडला और बालाघाट में भारी बारिश होगी।

विदिशा में बारिश, तापमान में आई गिरावट

विदिशा में दोपहर से रिमझिम बारिश का सिलसिला जारी है। इससे मौसम सुहाना हो गया, वहीं तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई।

भोपाल में सुबह 5 बजे से बारिश जारी

भोपाल में सुबह 5 बजे से रिमझिम शुरू हुई। दोपहर होते-होते कई इलाकों में तेज पानी गिरने लगा। लगातार बारिश से मौसम में ठंडक घुल गई है।

भोपाल, इंदौर समेत 19 जिलों में बारिश

सतना के चित्रकूट में तेज बारिश हुई। वहीं, सीधी में सवा इंच से ज्यादा पानी गिर गया। छतरपुर के खजुराहो और नौगांव में आधा इंच से ज्यादा बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, दतिया, गुना, ग्वालियर, इंदौर, भोपाल, रतलाम, शिवपुरी, उज्जैन, छतरपुर के खजुराहो, नौगांव, बालाघाट, बुरहानपुर, सीहोर, बड़वानी, डिंडोरी, शाजापुर, आगर-मालवा, देवास समेत कई जिलों में हल्की बारिश दर्ज की गई।

1-2 जुलाई को अति भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने 1 जुलाई को 6 जिलों में अति भारी और 26 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। 2 जुलाई को 5 जिलों में अति भारी और 25 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है।

पश्चिमी हिस्से में लो प्रेशर एरिया... सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया- गुजरात के सौराष्ट्र-कच्छ में एक लो प्रेशर एरिया (कम दबाव का क्षेत्र) एक्टिव हो गया है। जिसका असर अगले 1-2 दिन में एमपी में भी देखने को मिलेगा। वहीं, प्रदेश में अभी टर्फ की एक्टिविटी बनी हुई है। यह टर्फ जिन हिस्सों से गुजर रही है, वहां भारी बारिश का अलर्ट है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम भी सरि य है। इन सभी वजहों से मध्यप्रदेश तरबतर हो रहा है।

'युवा संगम मेगा जॉब फेयर' का भोपाल में भव्य आयोजन, 600 से अधिक युवाओं ने लिया भाग

- 35+ कंपनियाँ, हेल्थ कैंप और काउंसलिंग सत्र के साथ युवाओं को मिला सुनहरा अवसर

विजय मत, भोपाल

राजधानी भोपाल के खजूरीकलां रोड स्थित विद्यापीठ ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन्स, एसओएम, बालग्राम परिसर में आज युवा संगम मेगा जॉब फेयर का भव्य आयोजन हुआ। यह रोजगार मेले का आयोजन जिला रोजगार कार्यालय भोपाल एवं CII-Young Indians (YI) Bhopal Chapter के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की विशिष्ट उपस्थिति में मध्यप्रदेश शासन की मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर मौजूद रहीं। उन्होंने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार के रोजगार मेले राज्य सरकार की युवा सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त प्रयास हैं, जो न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ाते हैं। इस मेगा जॉब फेयर में 35 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियाँ और 3 स्वरोजगार संस्थाएं शामिल हुईं। 600 से अधिक युवाओं ने इसमें भागीदारी की, जिनमें से 50 से अधिक को मौके पर ही नियुक्ति पत्र (ऑफर लेटर) वितरित किए गए। इसके साथ ही तीन कंपनियों के साथ एमओयू भी साइन किए गए। स्वास्थ्य जागरूकता को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क हेल्थ कैंप का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रतिभागियों और आगंतुकों ने स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा का लाभ उठाया।

खंडवा में आज अभियान का होगा भव्य समापन

प्रधानमंत्री मोदी जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह को वर्चुअली करेंगे संबोधित

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव 1518 करोड़ के कार्यों का करेंगे लोकार्पण और भूमि-पूजन
- वाटर-शेड सम्मेलन भी होगा

विजय मत, भोपाल

पानी की हर बूंद को सहेजने के उद्देश्य से चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन और वॉटरशेड सम्मेलन सोमवार 30 जून को खंडवा में होगा। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल शामिल होंगे और कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कार्यक्रम में 1518 करोड़ रुपये से अधिक के जल संरक्षण कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर मध्यप्रदेश में 3 माह के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया गया। इस दौरान जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन पर लगातार कार्य किया गया। सोमवार को अभियान के समापन कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत 578.08 करोड़ रुपये की लागत से कराए गए 57 हजार 207 जल संरक्षण कार्य, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वॉटरशेड विकास के अंतर्गत 63.46 करोड़ रुपये की लागत से 888 जल संरक्षण के कार्य, वॉटरशेड परियोजनाओं के कार्यों के प्रबंधन और अनुश्रवण के लिए वॉटरशेड वर्क मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर का लोकार्पण किया जाएगा।

शासकीय स्कूलों में निःशुल्क साइकिल वितरण के संबंध में दिशा-निर्देश

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग ने शासकीय स्कूलों में निश्शुल्क साइकिल वितरण के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये हैं। दिशा-निर्देश में बताया गया है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले विद्यार्थी, जो कि शासकीय विद्यालय में कक्षा 6वीं और 9वीं में अध्ययनरत हैं तथा वे जिस ग्राम के निवासी हैं उस ग्राम में शासकीय माध्यमिक विद्यालय-हाई स्कूल संचालित नहीं हैं वे अध्ययन के लिये किसी अन्य ग्राम या शहर के शासकीय स्कूल में जाते हैं उन छात्रों को इस योजना का लाभ कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रथम प्रवेश पर एक ही बार मिलेगा। इन कक्षाओं में पुन~ प्रवेश लेने पर साइकिल की पात्रता नहीं होगी। ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे विद्यार्थी जो शासकीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं एवं 9वीं में अध्ययनरत हैं उस गांव से उनके निवास की दूरी 2 किलोमीटर की दूरी से अधिक हो उन्हें ही साइकिल की पात्रता होगी।

इलाज में लापरवाही, हटाने पड़ रहे प्राइवेट पार्ट

पेनाइल कैंसर पर भोपाल एम्स का रिसर्च स्पेन में प्रस्तुत

विजय मत, भोपाल

राजधानी भोपाल स्थित एम्स के चिकित्सक लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर के रिसर्च कर रहे हैं। अब पेनाइल कैंसर पर बड़ा रिसर्च सामने आया है। जिसको स्पेन के अंतरराष्ट्रीय मेडिकल कांफ्रेंस में प्रस्तुत किया गया है। रिसर्च के अनुसार पुरुषों द्वारा प्राइवेट पार्ट से जुड़ी समस्याओं को लंबे समय तक नजरअंदाज करने से उन्हें गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। एम्स के रिसर्च के मुताबिक पेनाइल कैंसर के 93 फीसदी मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिलने की वजह से प्राइवेट पार्ट हटाना पड़ा है। डॉक्टरों के मुताबिक प्राइवेट पार्ट पर कोई गांठ, मस्सा या यूरीन के साथ ब्लड आने पर ये पेनाइल कैंसर के लक्षण हो सकते हैं। इस बीमारी को लेकर लोगों में अब भी बहुत कम जानकारी है। एम्स भोपाल के डॉ. केतन मेहरा और उनकी टीम ने एक खास रिसर्च की है। इस स्टडी के बाद डॉ. मेहरा को हाल ही में स्पेन में हुए इंटरनेशनल मेडिकल कॉन्फ्रेंस में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। कॉन्फ्रेंस में उन्होंने पेनाइल और वृषण (टेस्टीकुलर) कैंसर के जटिल मामलों और उनके इलाज के नए तरीके दुनिया के सामने रखे। इस रिसर्च में 16 पुरुषों को शामिल किया गया। इनमें से 15 मरीजों को पेनाइल कैंसर की वजह से सर्जरी करवानी पड़ी, जिसमें उनका प्राइवेट पार्ट और उसके आसपास का संक्रमित हिस्सा हटाना पड़ा।

विजय मत एंकर जल गंगा संवर्धन अभियान

पुनर्जीवित हुआ शालीवाडा शारदा का सूखा तालाब, गाँव को मिली हरियाली की सौगात

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून 2025 तक ÷जलगंगा संवर्धन अभियान÷ चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से प्रदेशभर के जलस्रोतों को पुनर्जीवित कर जल संवर्धन को जनआंदोलन का स्वरूप दिया गया। छिंदवाड़ा जिले के विकासखण्ड परासिया के ग्राम शालीवाडा शारदा ने इसी अभियान में भागीदारी कर वह कर दिखाया, जो वर्षों से केवल एक सपना था।

सूखा था जो तालाब कभी, अब वो जल से भरा हुआ है, प्रयास जो मिलकर किए थे, गाँव को हरियाली से भर दिया है।

पी.एच.ई विभाग और ग्रामवासियों के साझा प्रयासों से बदली तस्वीर- गाँव के मध्य स्थित वर्षों पुराना तालाब गंदगी, झाड़ियों और प्लास्टिक कचरे के कारण उपयोगहीन हो गया था। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के संभाग परासिया की पहल, ग्राम पंचायत के नेतृत्व और ग्रामीणों की भागीदारी ने इस तालाब की तकदीर बदल दी है। तकनीकी टीम ने पहले तालाब का सर्वे कर आवश्यक सुधार बिंदु तय किए इसके बाद प्राकृतिक नालों की सफाई कर वर्षा जल को तालाब की ओर मोड़ा गया। तालाब की खुदाई कर उसकी गहराई और जल संग्रहण क्षमता बढ़ाई गई। ग्रामवासियों ने भी श्रमदान कर सफाई और निर्माण में पूर्ण योगदान दिया। आज वही सूखा और गंदगी से पटा तालाब पानी से लबालब है। खेतों में सिंचाई संभव हो गई है, हैंडपंप व कुएँ रीचार्ज हो चुके हैं, और भूजल स्तर में सुधार के स्पष्ट संकेत दिख रहे हैं। गाँव में हरियाली लौट आई है और किसान प्रसन्न हैं। तालाब की कोख भरी, हरियाली बनकर आशा उग आई है। जल गंगा संवर्धन अभियान ने केवल एक तालाब को नहीं, बल्कि एक पूरे गाँव की सोच और भविष्य को बदल दिया है। ÷जहाँ जल, वहाँ कल÷ की भावना को साकार करते हुए ग्राम शालीवाडा शारदा एक प्रेरणादायक उदाहरण बन चुका है और ग्रामीणों ने जल संरक्षण के महत्व को अच्छी तरह समझ लिया है।

चाय-नाश्ते और चर्चा में खर्च हो रहा हेल्थ बजट

एसआरएस रिपोर्ट पर पटवारी बोले-1000 में 40 नवजातों की हो रही मौत, सरकार बयानबाजी में व्यस्त

विजय मत, भोपाल

दो दिन पहले जारी हुई सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम की रिपोर्ट में शिशु और मातृ मृत्यु दर के मामले में मध्यप्रदेश सबसे खराब राज्यों में फिर नजर आया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने एसआरएस की रिपोर्ट को लेकर मप्र सरकार और स्वास्थ्य विभाग के कामकाज पर सवाल उठाए हैं। पटवारी ने सीएम डॉ. मोहन यादव को लेटर लिखा है। पटवारी ने अपने पत्र में लिखा- सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) की ताजा रिपोर्ट ने यह खुलासा किया है।

हर 1000 में 40 बच्चे नहीं मना पाते पहला जन्मदिन

पटवारी ने अपने पत्र में लिखा- सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) की ताजा रिपोर्ट ने यह खुलासा किया है कि हमारे प्रदेश में हर 1000 में से 40 बच्चे अपना पहला जन्मदिन भी नहीं मना पाते।दो दिन पहले जारी हुई सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम की रिपोर्ट में शिशु और मातृ मृत्यु दर के मामले में मध्यप्रदेश सबसे खराब राज्यों में फिर नजर आया है।

सिर्फ 120 अस्पतालों में ही डिलीवरी की सुविधा क्यों?

पटवारी ने लिखा- मुख्यमंत्री जी, इन अविश्वसनीय आंकड़ों पर भी गौर फरमाइए। 2022 में जब प्रदेश में कुल 547 स्वास्थ्य केंद्र (52 जिला, 161 सिविल और 348 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) थे, तो केवल 120 अस्पतालों में ही सिजेरियन डिलीवरी की सुविधा क्यों थी? क्या बाकी अस्पताल सिर्फ नाम के लिए खड़े हैं, या फिर वे सिर्फ रेफरल सेंटर बनकर रह गए हैं?

भोपाल से दिल्ली तक सिर्फ बयानबाजी

पटवारी ने आगे लिखा- आपकी सरकार जिस कागजी विकास की गंगा बहा रही है, वह कितनी गहरी है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हम हर महीने कर्ज लेकर इस विकास-रथ को आगे बढ़ा रहे हैं। इसी में ?4500 करोड़ का सालाना स्वास्थ्य बजट भी है, लेकिन यह पैसा जाता कहां है? क्या यह कुपोषण के ऐसे घोटालों में समा जाता है, जिनकी रिपोर्ट कैग हर साल देता है?

न्यूज इन शॉर्ट

दिव्य मुस्कान महिला क्लब द्वारा हनुमान मंदिर में वाटर कूलर का लोकार्पण

शहडोल। शहर के प्राचीन हनुमान मंदिर में दिव्य मुस्कान

महिला क्लब की अध्यक्ष श्रीमती निभा गुप्ता संरक्षिका श्रीमती मंजू गुप्ता एवं सदस्य बहनों द्वारा विधिवत पूजा पाठ कर वाटर कूलर का लोकार्पण किया गया। क्लब द्वारा हनुमान मंदिर परिसर में आने वाले भक्तों की आवश्यकता को महसूस कर जनहित में क्लब ने निर्णय लिया कि इस मंदिर परिसर में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जायेगा पुराने बस स्टैंड के पीछे अति प्राचीन एवं सिद्ध स्थान के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था दिनों-दिन बढती जा रही जिसे ध्यान में रख कर मंदिर समिति भी अपने स्तर पर परिसर के विकास में निरंतर सक्रिय है। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष श्रीमती निभा गुप्ता और उनकी सभी सदस्य साथियों ने सुंदरकांड का पाठ किया।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा की गौरवपूर्ण उपस्थिति रही एवं संस्था की संरक्षिका श्रीमती मंजू गुप्ता एवं सदस्य पूनम जैन प्रीति गुप्ता राखी कटारे रंजना गुप्ता अंजू चौदह अलका गुप्ता अंजना पीपरसानिया पुष्पा पीपरसानिया रत्ना गुप्ता प्रेमलता जायसवाल सुनीता गुप्ता ममता नेमा शशि गुप्ता अंजलि बाजपेई रुचि गुप्ता निर्मल बग्गा भारती गुप्ता जगजीत बग्गा अनुपमा गुप्ता दीपा गौतम रेखा गुप्ता पुष्पा सिंह रुचि गुप्ता दिव्या कटारे माया सोनी रितु गुप्ता की उपस्थिति रही।

कलेक्टर ने स्वीकृत की आर्थिक सहायता राशि

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से शहडोल जिले के बुढार के ग्राम सरईकापा अनिल सिंह को उपचार हेतु 65 हजार रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आयोजित किए गए शिविर

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में जिले के 402 चिन्हित ग्रामों में धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत ग्राम स्तर पर शिविर आयोजित कर जनजाति समुदायों के पात्र हितग्राहियों को विभिन्न जन् कल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्रदान करते हुए लाभान्वित किया जा रहा है। शहडोल जिले के धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत ग्राम गोरतरा एवं जमुआ में शिविर आयोजित किया गया।. शिविर में जनजाति समुदाय के उपस्थित जनों से आवेदन पत्र लिए गए व विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया गया। ग्राम पंचायत गोरतरा मे 220 राशन कार्ड, 235 मनरेगा, 170 प्रधानमंत्री जीवन ज्योति, सुरक्षा बीमा योजना, 508 प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, 510 जन धन खाता, 235 मनरेगा, 28 विधवा पेंशन, 19 दिव्यांग पेंशन संबंधित आवेदन लिए गए तथा यथासंभव लाभान्वित किया गया। ग्राम जमुआ मे 365 निवास प्रमाण पत्र, 200 राशन कार्ड, 160 मनरेगा, 189 जनधन खाता, 15 प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, 10 प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, 18 वृद्धावस्था पेंशन, 9 विधवा पेंशन योजना, 2 दिव्यांग पेंशन योजना ग्राम लक्ष्य के अनुरूप हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से कार्य किया गया। ग्राम पंचायत गोरतरा मे 1781 हितग्राहियों मे 1693 हितग्राहियों के आधार कार्ड सुधार किए गए।

राहुल गांधी को जो लगेगा सौ टंच वहीं बनेगा कांग्रेस जिलाध्यक्ष

जातीय समीकरण : सामान्य, पिछड़ा वर्ग, आदिवासी या अल्पसंख्यक वर्ग से होगा चयन

विजय मत, शहडोल

कांग्रेस के संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत जिलाध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया तो पूरी कर ली गई है और शीघ्र ही जुलाई के प्रथम सप्ताह में कांग्रेस जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी जाएगी। कयास लगाए जा रहे हैं कि आखिर इस बार कौन बनेगा जिलाध्यक्ष? अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं मप्र कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षकों ने दो बार शहडोल जिले का दौरा करके पार्टी कार्यकर्ताओ के ब्लाक से लेकर जिला स्तर पर बैठकें लेकर नब्ज टटोलने के बाद रिपोर्ट हाई कमान को यानी दिल्ली भेज दी है।

निष्ठावान सिपाही को मिलेगी कमान

पर्यवेक्षकों ने संकेत दिए है कि इस बार राहुल गांधी सभी जिलों की रिपोर्ट देंखेगे और जो सौ टंच होगा उसी को जिलाध्यक्ष की कमान सौंपी जाएगी। सौ टंच का मतलब है कि जो नेता पार्टी के प्रति निष्ठावान रहा हो और पार्टी से कभी गद्दारी न की हो। जो नेता कभी पार्टी छोड़कर चुनाव न लड़ा हो या जो दल बदल न किया हो, ऐसे ही कर्तव्यनिष्ठ सच्ची निष्ठा वाले कांग्रेस के सिपाही को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

जाति समीकरण का भी रखा जाएगा ध्यान

शहडोल संभाग के तीनों जिलो उमरिया, अनूपपुर एवं शहडोल में कांग्रेस पार्टी जाति समीकरण के हिसाब से भी जिलाध्यक्ष का चयन करेगी। एक सामान्य वर्ग से तो एक पिछड़ा वर्ग से और एक आदिवासी वर्ग से जिलाध्यक्ष का चयन किया जाएगा। अल्प संख्यक वर्ग से भी जिलाध्यक्ष बनाए जाने की पार्टी की रणनीति है। स्मरणीय है कि शहडोल जिले की 15 से 18 प्रतिशत आबादी सामान्य वर्ग से आती है तो 52 से 54 प्रतिशत पिछड़े वर्ग से और 32 से 38 प्रतिशत जनसंख्या आदिवासियों की है। अल्पसंख्यक वर्ग की आबादी 4 से 5 प्रतिशत है। कांग्रेस ने हर जाति वर्ग के कार्यकर्ता जिले में मौजूद हैं देखना है कि पार्टी किसका चयन करती है।

प्रमुख दावेदारों के नामों की चर्चा

वैसे तो तीन दर्जन से अधिक लोगों ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष के लिए दावेदारी पर्यवेक्षकों के समक्ष प्रस्तुत की है परंतु जिन प्रमुख दावेदारों की चर्चा है उनमें वर्तमान जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष आजाद बहादुर सिंह, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव प्रदीप सिंह एडवोकेट, जिला कार्यवाहक अध्यक्ष बलमीत सिंह खनूजा, धनपुरी नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष मुबारक मास्टर, मप्र कांग्रेस के संयुक्त सचिव अजय अवस्थी, जिला कांग्रेस कमेटी के संगठन मंत्री संतोष शुक्ल, , युवक कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष रविन्द्र तिवारी, जयसिंहनगर ब्लाक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राम निहोर राव, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र मरावी, ब्लाक कांग्रेस ब्योहारी के अध्यक्ष विनोद ताम्रकार एवं ब्लाक कांग्रेस कमेटी सोहागपुर के पूर्व अध्यक्ष मो. यूसुफ तथा प्रवीण सिंह शामिल हैं।

क्या इस बार शहडोल से बाहर के व्यक्ति को मिलेगी कमान

शहडोल जिले की यदि बात की जाए तो देश की आजादी के बाद से अब तक लगभग 78 वर्षो में एक या दो जिलाध्यक्ष को छोड़कर सभी कांग्रेस जिलाध्यक्ष शहडोल जिला मुख्यालय से बनते रहे हैं परंतु इस बार इस बात की चर्चा है कि शहडोल जिला मुख्यालय से बाहर बुढार, धनपुरी, जयसिंहनगर या ब्योहारी से निष्ठावान पार्टी के सिपाही को जिलाध्यक्ष की कमान सौंपी जा सकती है।

बुढार से प्रदीप सिंह एवं बलमीत सिंह खनूजा, तो धनपुरी से मुबारक मास्टर, ब्योहारी से संतोष शुक्ला और विनोद ताम्रकार और जयसिंहनगर से रामनिहोर राव को कांग्रेस अध्यक्ष की कमान मिल सकती है। देखना है पार्टी हाई कमान किसका चयन करती है। सिर्फ एक सप्ताह और इंतजार करिए।

गेट में ताला जड़ परिवार को किया नजर बंद

दीवार कूदकर किसी तरह परिवार का मुखिया बुढ़ार थाना पहुंचा, दर्ज कराई रिपोर्ट

विजय मत, शहडोल

जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र में निवासरत एक परिवार को उसके ही रिस्तेदारों ने गेट में तालाबंदी कर पिछले 24 घंटे से भी अधिक समय से नजर बंद कर रखा हैं। किसी तरह दीवार कूदकर परिवार का मुखिया बुढ़ार थाना पहुँचा और इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई। लेकिन पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोई कड़ी कार्यवाही करने के बजाए पुलिस हस्ताक्षेप अयोग्य अपराध बताते हुए अपना पल्ला झाड़ लिया।

इस संबंध में बुढ़ार थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 15 ईरानी मोहल्ला के बगल में रहने वाले मोहम्मद मजीद पिता मोहम्मद सईद 42 वर्ष ने थाने में दी गईं लिखित शिकायत में आरोपित किया हैं कि वह उक्त स्थान पर अपना मकान बनाकर वर्षो से अपने परिवार के साथ रहता हैं। मेरे अलावा उक्त बाड़ा के अंदर मेरे दो अन्य रिस्तेदारों का भी घर हैं। जिस स्थान पर मेरा मकान हैं वहाँ पर मेरी माँ की पुस्तैनी ज़मीन मौजूद हैं। जिसके खसरे में मेरी माँ का नाम भी दर्ज हैं। उक्त भूमि को मेरे उक्त रिस्तेदार हड़पना चाह रहें हैं। जिसके लिये वह आए दिन नए नए हथकंडे अपनाते रहते हैं। ताकि मै उक्त स्थान से भयभीत होकर कहीं और चला जाऊ।

इसके लिए मेरे रिश्तेदार मोहम्मद रईस एवं उसके पुत्र सलीम शहजादा द्वारा कल दिनांक 28 जून को तड़के बाड़ा के मुख्य संयुक्त निकासी मार्ग के गेट में ताला लगा दिया गया हैं। जिस कारण मै एवं मेरे परिवार के लोग पिछले 24 घंटे से भी अधिक समय से बाड़ा के अंदर कैद हैं। किसी तरह बाउंड्रीवाल कूदकर मैने थाना तक जाकर अपनी लिखित शिकायत सौंपी लेकिन पुलिस द्वारा अब तक कोई थोस कार्यवाही आरोपीगणो के खिलाफ नही की गईं हैं। और अभी तक गेट में ताला जड़ा हुआ हैं।

बच्ची को बाउंड्रीवाल कूदकर आना पड़ा अंदर

-शिकायत कर्ता ने बताया की इस ताला बंदी के कारण मेरी बच्चियों को स्कूल से वापसी के बाद घर के अंदर आने में काफी परेशानी उठानी पड़ी। मेरी पुत्री को अपनी जान जोखिम में डालकर बाड़ा की बाउंड्रीवाल कूदकर घर के अंदर आना पड़ा। आरोपियों के इस कृत्य से मै एवं मेरा परिवार काफी डरा सहमा हुआ हैं। मेरी बच्चिया इतनी भयभीत हो गईं हैं कि वह अब स्कूल जाने से भी डर रही हैं। उन्हें भय सता रहा हैं कि अगर वह बाहर निकलेंगी तो उनके साथ रिस्तेदारों द्वारा मारपीट की जाएगी। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह पेशे से मोटर मैकेनिक हैं और उसकी गैरेज शहडोल में हैं। इसलिए वह हर सुबह अपनी दुकान शहडोल चला जाता हैं और रात्रि में घर लौटता हैं।मुझे यह भी अंदेशा हैं कि मेरी गैर मौजूदगी में मेरे परिवार के साथ किसी प्रकार की अनहोनी न हो जाए। ऐसी स्थिति में इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी मेरे रिस्तेदार मोहम्मद रईस, उसके पुत्र सलीम शहजादा एवं रसीद उर्फ़ गुड्डा मिस्त्री की होंगी। पीड़ित ने बाड़ा के मुख्य सार्वजनिक गेट में बल पूर्वक लगाए गए ताला को खुलवाने के साथ साथ अपने परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाई हैं।

दो घरों में सेंध लगाकर हजारों की चोरी, पुलिस ने शुरू की जांच

विजय मत, शहडोल

जिले के सीधी थाना क्षेत्र के छपराटोला दरैन में दो घरों में सेंध लगा कर चोरी का मामला सामने आया है। घटना एक ही गांव के दो घरों में हुई है। जिसमें हजारों रुपए की चोरी बताई जा रही है। दोनों घरों में परिवार अंदर सो रहा था और दूसरे कमरे में सेंध लगाकर चोरी की वारदात को चोरों ने अंजाम दिया है। परिवार जब सुबह जगा तब उन्हें घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद पुलिस को मामले की जानकारी दी गई, मौके पर पहुंची पुलिस अपनी पड़ताल कर रही है।

पुलिस ने बताया कि घटना सीधी थाना क्षेत्र के छपराटोला दरैन गांव में हुई है। दोनों घरों की दूरी आधा किलोमीटर से भी कम है, दोनों घरों में एक ही तरह से चोर अंदर घुसे और नगद रुपए और कीमती जेवर लेकर पर हो गए। पुलिस के अनुसार रामबली सिंह एवं नान बाई बैगा के घर यह चोरी की वारदात हुई है। पुलिस से पीड़ितों ने बताया कि वह दूसरे कमरे में सोए हुए थे, और पीछे की दीवार में छेद कर चोर अंदर घुसे और घर में रखी पेटी का ताला तोड़कर चांदी के जेवर एवं नगद रुपए लेकर फरार हो गए हैं, दोनों घरों से लगभग 80 हजार रुपए की चोरी बताई गई है।

पुलिस ने दोनों पीड़ितों की शिकायत पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है, और चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि चोर एक ही ग्रुप हो सकता है , क्योंकि दोनों घटना एक ही तरह से अंजाम दी गई है दोनों घरों में सेंध लगाकर वारदात की गई है।

वर्षाकाल में नालियों की सफाई एवं आवागमन मार्गों के अवरोध हटाने कलेक्टर ने दिए निर्देश

विजय मत, शहडोल

वर्षाकाल में नगरीय निकायों के आवागमन मार्गों के अवरोध हटाने, सड़कों के गढ्ढे भराने, सेप्टिक टैंकों की नियमित साफ-सफाई कराने, पेयजल सप्लाई में जहां पाईप लाईन टूट गई हों की मरम्मत कराने, नालियों की सफाई तथा जर्जर भवनों का चिन्हांकन कर हटाने के कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक के दौरान संबंधित मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को दिए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुद्रिका सिंह, डीएसपी राघवेन्द्र द्विवेदी, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण तथा नगरीय निकायों के नगरपालिका अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अमृत योजना फेज-1 तथा फेज-2 के कार्यों की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता के साथ कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत आवासों का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। जो आवास अधूरे हैं उनकी सतत मानीटरिंग की जाए तथा उन्हें पूरा कराया जाए। फेज-2 के शहरी प्रधानमंत्री आवास योजना में प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर पात्र हितग्राहियों की सूची तैयार कर संयुक्त टीम का गठन कर सत्यापन का कार्य पूरा किया जाए तथा उनके डीपीआर भी बनाए जाएं। कलेक्टर ने कहा कि जिन हितग्राहियों के पास स्वयं की जमीन नहीं है लेकिन वे जरूरत मंद हैं उनके लिए अतिक्रमण से मुक्त कराई गई है, वहां कॉलोनी विकसित कर योजना का लाभ हितग्राहियों को दिया जाए। बैठक में नगरीय निकायों को अपनी आय में वृद्धि करने हेतु कर वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। इसी तरह ई-केवायसी के प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को जून माह में शत-प्रतिशत उपलब्धि के निर्देश दिए गए।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का निराकरण संतुष्टिपूर्वक किया जाए। इसी तरह वर्षाकाल में अमृत हरित क्रान्ति योजना के तहत सभी नगरीय निकायों को पौधरोपण का लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए।

साखी में जल गंगा संवर्धन अभियान का किया गया समापन

शहडोल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश में जल गंगा सवंर्धन अभियान 30 जून तक संचालित किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन शहडोल जिले के ब्यौहारी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत साखी में जल गंगा सवंर्धन अभियान समापन कार्यक्रम में विधायक शरद जुगलाल कोल, जनपद अध्यक्ष आकांक्षी सिंह, जनपद सदस्य नरेन्द्र शास्त्री, सीईओ विजय सिंह, एपीओ के पी सिंह, उपयंत्री, सरपंच, सचिव, जलदूत एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

विधायक ने लाभान्वित हितग्राहियों व जलदूतों को किया सम्मानित

शहडोल। विधायक जैतपुर जय सिंह मरावी की उपस्थित में जलगंगा संवर्धन अभियान का समापन कार्यक्रम ग्राम पंचायत अरझुला में किया गया। कार्यक्रम में विधायक जयसिंह मरावी द्वारा खेत तालाब के हितग्राहियो एवं जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पंजीकृत जलदूतो को सम्मानित किया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत अरझुला में 4 नवीन खेत तालाब को पूर्ण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह, वरिष्ठ नागरिक विपुल सिंह,अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी अनुराग निगम,सहायक यंत्री रघुवेन्द्र सिंह,उपयंत्री छत्रपाल कुशवाहा राजेन्द्र सिंह उपस्थिति रहे।

इंवेस्टर्स मीट

शहडोल संभाग में निवेश की बड़ी घोषणाएं, पर छह माह बाद भी युवाओं के हाथ खाली

वादों की चमक फीकी, रोजगार की ज़मीन अब भी बंजर

विजय मत, शहडोल

शहडोल संभाग के विकास की नई इबारत लिखने के नाम पर बीते माह हुई इंवेस्टर्स मीट अब सिर्फ यादों और वादों की गूंज बनकर रह गई है। मंच से करोड़ों के निवेश, हजारों रोजगार और दर्जनों उद्योगों की जो बातें की गई थीं, वे अब छह माह बीतने के बाद महज प्रतीक्षा और पलायन में बदल चुकी हैं।

शानदार शुरुआत, लेकिन सन्नाटा पसरा हुआ अंत - मीट में लगभग 32,500 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की घोषणा हुई थी। 25 से अधिक उद्योगों के आने की बात सामने आई थी। प्रशासन, जनप्रतिनिधि और व्यापारी वर्ग, सभी को उम्मीद थी कि यह आयोजन शहडोल को औद्योगिक पहचान देगा। मगर न कोई नींव रखी गई, न कोई निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। वादों की बुनियाद पर खड़ी उम्मीदें अब दरकने लगी हैं। शहडोल, उमरिया और अनूपपुर जैसे आदिवासी बाहुल्य जिलों में युवा अब भी महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली जैसे शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। जयसिंहनगर और ब्यौहारी क्षेत्र के युवाओं के पास रोजगार का कोई स्थानीय विकल्प मौजूद नहीं है। छोटे-मोटे रोजगार भी ठप पड़े हैं, और मनरेगा जैसी योजनाएं भी पर्याप्त राहत नहीं दे पा रहीं।

अधोसंरचना की कमी बनी विकास में बाधा

स्थानीय इंडस्ट्रियल एरिया में अभी तक सड़क, बिजली, पानी, परिवहन जैसी मूलभूत सुविधाएं पूरी नहीं हो पाईं। भूमि आवंटन, पर्यावरणीय स्वीकृतियां और प्रशासनिक प्रक्रिया की जटिलता उद्योग स्थापना में सबसे बड़ी बाधा बनकर खड़ी है। इंडस्ट्रियल एरिया को विकसित करने के लिए प्रशासन द्वारा कई बार आश्वासन दिया गया परंतु स्थिति जस की तस बनी हुई है।

वादों से नहीं, क्रियान्वयन से बदलेगा भविष्य

इंवेस्टर्स मीट जैसे आयोजन अगर सिर्फ औपचारिकता बनकर रह जाएं, तो वे जनता की अपेक्षाओं से विश्वास को तोड़ते हैं। शहडोल संभाग को केवल घोषणाओं की नहीं, नीतिगत इच्छाशक्ति और जमीनी क्रियान्वयन की आवश्यकता है। जब तक प्रस्ताव धरातल पर नहीं उतरते, तब तक युवाओं के सपनों में रोजगार बस एक कल्पना बनकर ही रहेगा।

एक भी व्यक्ति को नहीं मिला रोजगार : तिवारी

भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश तिवारी ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि शहडोल संभागीय मुख्यालय में विगत छह माह पूर्व संभाग में औद्योगिक इकाइयां खोलने के लिए एवं रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए इन्वेस्टर मीट किया गया था लेकिन आज इतने दिनों बाद भी इसके परिणाम सामने नहीं आ रहे हैं।

करोड़ों रुपए इस इन्वेस्टर मीट में खर्च किए गए थे। बहुत बड़ा ताम झाम फैलाया गया लेकिन एक भी लोगों को रोजगार नहीं मिला। मुख्यमंत्री जी भले ही इस दिशा में सक्रिय हो, लेकिन धरातल में स्थिति विपरीत है शहडोल जिले से ही लगभग 25000 से ज्यादा बेरोजगार प्रतिवर्ष रोजगार की तलाश में प्रवासी मजदूर बनकर जाते हैं और अपना जीवन यापन करते हैं। ऐसे में शासकीय योजनाओं पर प्रश्न चिन्ह लगता है कि वह योजना कहां लागू होती है.।

कैलाश तिवारी ने कहा है कि यहां पर वही उद्योग सफल हो सकते हैं जिनका रॉ मैटेरियल यहां पर उपलब्ध हो उसके आधारित उद्योग ही यहां पर सफल हो सकते हैं। भोपाल में बैठकर शहडोल की योजना बनाने से यही हश्र होगा।

Near Akashvani Kendra, Behind Forest Barrier, Pali Road, Chandaniya, Shahdol
BRIGHTON INTERNATIONAL SCHOOL SHAHDOL
AFFILIATED TO CBSE - 1031166
ADMISSIONS OPEN 2025
Enroll Now
THE NO. 1 CBSE DAY SCHOOL OF SHAHDOL
Nursery to XII | Progressive Learning
AC Classrooms for Pre Primary | Modern Facilities
5-Acre Campus | Playground & Swimming Pool
Franchise School | Strong Academics
Innovative & Engaging Teaching
Qualified, Caring Faculty | Safe Environment
Holistic Growth | Teacher-Parents Partnership
Bright Minds, Strong Values — Nurturing the Whole Child at Brighton!
CONTACT
78284 70060

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि., प्लॉट नं. 18, इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर म.प्र. से मुद्रित एवं विजय मत भवन, गायत्री मंदिर रोड, वार्ड नं. 13, शहडोल, म.प्र. से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2018/76119, e-mail: vijaymat.sdl@gmail.com

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मध्यप्रदेश सरकार का संकल्प

अक्षय जल, सुरक्षित कल

जल गंगा संवर्धन अभियान

समापन समारोह एवं वॉटरशेड सम्मेलन

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री

30 जून, 2025 I दोपहर 12 बजे

मंडी प्रांगण, खण्डवा, मध्यप्रदेश

'जल की हर बूंद में आने वाले कल का भविष्य छिपा है। इसलिए इस अमूल्य धरोहर की किसी भी मूल्य पर रक्षा करना हमारा दायित्व है।'

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

जल संरक्षण का 'जन संकल्प'

जल संचय में वृद्धि

- ₹2048 करोड़ लागत के 83 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण पूर्ण, जिससे खेत का पानी खेत में सिंचित होगा
- ₹254 करोड़ लागत से 1 लाख से अधिक कूप रीचार्ज
- अमृत सरोवर 2.0 के तहत ₹ 354 करोड़ लागत से 1 हजार से अधिक नए अमृत सरोवरों का निर्माण
- शहरी क्षेत्रों में 3300 से अधिक जल स्त्रोतों का पुनर्जीवन, 2200 नालों की सफाई एवं 4000 वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण पूर्ण

जनभागीदारी

- 40 लाख लोगों की भागीदारी से 5 हजार से अधिक जल स्त्रोतों का हुआ जीर्णोद्धार
- My Bharat पोर्टल के माध्यम से 2.30 लाख से अधिक जलदूत बनाए गए
- ग्रामीण क्षेत्रों में पानी चौपाल का आयोजन

तकनीकी नवाचार

- GIS आधारित SIPRI सॉफ्टवेयर के उपयोग से जल स्त्रोतों का चयन एवं AI आधारित मॉनिटरिंग की गई
- नर्मदा परिक्रमा पथ एवं अन्य तीर्थ मार्गों के डिजिटलीकरण के जरिए श्रद्धालुओं की सुविधाओं का रखा जा सकेगा ख्याल

पर्यावरणीय एवं कृषि प्रभाव

- 57 प्रमुख नदियों में मिलने वाले 194 से अधिक नालों का चिह्नांकन एवं उनके शोधन के लिए योजना तैयार
- जैव विविधता संरक्षण हेतु घड़ियाल और कछुओं का किया गया जलावतरण
- 145 नदियों के उद्गम क्षेत्रों को चिन्हित कर हरित विकास हेतु योजना तैयार
- अविरल निर्मल नर्मदा योजना में 5600 हेक्टेयर में पौधरोपण प्रारंभ
- वन्य जीवों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु 2500 से अधिक तालाब, स्टॉप डैम का निर्माण
- पौधरोपण हेतु लगभग 6 करोड़ पौधों की नर्सरी विकसित

वॉटरशेड हेतु कार्य

- ₹1200 करोड़ लागत की 91 वॉटरशेड परियोजनाएं स्वीकृत, 5.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को मिलेगी सिंचाई सुविधा
- 9000 से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं के जरिए किसानों को 1 वर्ष में दो से तीन फसलों का मिल रहा लाभ

सीधा प्रसारण | Webcast.gov.in/mp/cmevents | @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh | @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP | JansamparkMP

#जल_गंगा_संवर्धन_अभियान_MP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11056/25

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025